शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 299 | गुवाहाटी | गुरुवार, 30 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हिंदी साहित्य भारती ने गिनीज बुक में स्थान पाकर बनाया विश्व कीर्तिमान पेज 2
भारी बारिश के बाद अब बाढ़ का खतरा, कई क्षेत्र पानी में डूबे पेज 3
देश शरीयत से नहीं, संविधान से चलेगा : योगी पेज 5
विश्व चैंपियन डिंग से हारे प्रगनानंदा वैशाली ने कोनेरू हंपी को दी शिकस्त पेज 7

## सीएम डॉ. शर्मा ने चक्रवात रेमल के बाद राज्य में उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की

**नई दिल्ली/गुवाहाटी (एजे.)।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को चक्रवात रेमल के आने के बाद हुई भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर अपने राज्य में उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की। राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद शर्मा ने राज्य सरकार और चक्रवात प्रभावित जिलों के शीर्ष अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक की और सभी संबंधित पक्षों को निर्देश दिया कि वे भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के भारी से बहुत भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर यथाशीघ्र आपातस्थिति से निपटने के लिए अलर्ट रहें। मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रभावित लोगों तक पहुंचने तथा उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने में कोई कसर न छोड़ें। चक्रवात के -शेष पृष्ठ दो पर

## मिजोरम भूस्खलन में मृतकों की संख्या 29 हुई, मलबे में फंसे आठ शवों को निकालने के प्रयास जारी

**एजल (हि.स.)।** राजधानी एजल के पास मेल्थम और ह्लिमेन सीमा क्षेत्रों में पत्थर की खदानों और अन्य स्थानों पर भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 29 हो गई है। बुधवार दोपहर एक बजे तक मेल्थम पत्थर खदान के मलबे से 15 शव बरामद किए गए। गड्ढे के मलबे में आठ और शव दबे होने की संभावना है। विनाशकारी चक्रवात रेमल के प्रभाव के कारण मिजोरम में कई भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। इनमें से, मेल्थम पत्थर खदान ढहने से सबसे अधिक क्षति हुई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीएमए, पैरा आर्मी और कुछ स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों के स्वयंसेवकों ने कल शाम को अंधेरा होने के बाद अभियान रोक दिया था। पत्थर खदान के मलबे से शवों को निकालने के लिए बुधवार सुबह फिर से अभियान शुरू किया। यहां से 14 वर्षीय ग्लोरिया एमएस डौंगलियानी का शव दोपहर करीब 1 बजे बरामद किया गया। इसके साथ बरामद शवों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। माना जा रहा है कि अभी भी आठ से नौ शव मलबे के नीचे हैं। एजल की जिला मजिस्ट्रेट नजुक कुमार ने बताया कि अब तक बरामद शवों की पहचान पुलाल दुहथलांगा (66), -शेष पृष्ठ दो पर

doorgraph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

## सुप्रभात

*तुम्हे अंदर से सीखना हैं सबकुछ... । तुम्हे कोई नहीं पढ़ा सकता.., कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। अगर यह सब कोई सिखा सकता हैं तो यह केवल आपकी आत्मा हैं... ।*

– **स्वामी विवेकानंद**

## न्यूज गैलरी

### पांच भारतीयों को पाकिस्तान ने किया रिहा

**चंडीगढ़ (हि.स.)।** पाकिस्तान ने करीब डेढ़ साल तक जेल में सजा काटने के बाद पांच भारतीयों को रिहा कर दिया है। इनमें मां-बेटे और तीन अन्य लोग हैं। महिला असम की रहने वाली है। पांचों ने बुधवार को अटारी-बाघा सीमा के -शेष पृष्ठ दो पर

## अगले छह महीने में देश में बहुत बड़ा राजनीतिक भूचाल आएगा : पीएम

**कोलकाता।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बंगाल में अपनी आखिरी जनसभा में विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि चार जून के बाद अगले छह महीने में देश में बहुत बड़ा राजनीतिक भूचाल आने वाला है। परिवारवादी पार्टियां अपने आप बिखर जाएंगी। इनके कार्यकर्ता भी अब थक चुके हैं। वो भी देख रहे हैं कि देश किधर जा रहा है और ये पार्टियां किधर जा रहीं हैं। मथुरापुर में सभा को संबोधित करते हुए पीएम ने घुसपैठ को लेकर टीएमसी को घेरते हुए कहा कि बंगाल की सीमाओं से अनियंत्रित घुसपैठ की अनुमति देकर टीएमसी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रही है। घुसपैठिए आप लोगों के हक व जमीन जायदाद पर कब्जे कर रहे हैं। बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में डेमोग्राफी बदल दी गई है। पूरा देश इसको लेकर चिंतित है। पीएम ने कहा कि टीएमसी बंगाल में अवैध घुसपैठियों को बसाना चाहती है लेकिन मतुआ शरणार्थियों को नहीं रहने देना चाहती है। वोट बैंक के तुष्टीकरण के चलते टीएमसी सीएए का विरोध कर रही है। पीएम ने कहा कि एक-एक शरणार्थी को भारत की नागरिकता दी जाएगी यह मोदी की गारंटी है। मोदी ने कहा कि अब तो टीएमसी सरकार तुष्टीकरण के लिए देश के संविधान पर भी खुलकर हमला करने लगी है। हमारे संविधान ने दलितों-पिछड़ों को आरक्षण दिया है लेकिन बंगाल में उस आरक्षण की खुली लूट हो रही है। टीएमसी सरकार फर्जी ओबीसी प्रमाणपत्र जारी कर मूल ओबीसी के अधिकार मुसलमानों को दे रही है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने इन फर्जी प्रमाणपत्रों को रद कर दिया है लेकिन टीएमसी इस फैसले को स्वीकार नहीं कर रही। तुष्टीकरण के लिए ये लोग किस सीमा तक जाने को तैयार हैं। एक जून को आपका एक वोट इन खतरनाक इरादों को रोकेगा। मोदी ने कहा राम मंदिर हमारी आस्था का केंद्र है। लेकिन टीएमसी के लोग राम मंदिर को अपवित्र बताते हैं। ऐसी टीएमसी कभी भी बंगाल की संस्कृति की रक्षा नहीं कर सकती। टीएमसी बंगाल के लोगों से इतनी चिढ़ी हुई है वह राज्य की पहचान खत्म करने में लगी हुई है। बंगाल के मठों और साधू संतों तक को नहीं छोड़ रही। टीएमसी के गुंडे रामकृष्ण मिशन, भारत सेवाश्रम संघ के मठों पर हमले तक कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि टीएमसी और इंडी जमात वाले बंगाल को विपरीत दिशा में लेकर जा रहे हैं। भाजपा पर बंगाल के लोगों का प्यार टीएमसी को बर्दाश्त नहीं हो रहा है इसलिए टीएमसी बौखलाई हुई है। विभिन्न केंद्रीय योजनाओं को रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि बंगाल के प्रति नफरत से भरी टीएमसी सिर्फ अड़ंगा लगाती है। विकास के जो काम मोदी करता है, टीएमसी कहती है कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। विकसित भारत के लिए विकसित बंगाल जरूरी है। मोदी ने कहा कि इस चुनाव का नेतृत्व देश की जनता कर रही है क्योंकि उसी जनता ने 10 साल की विकास यात्रा भी देखी है और 60 वर्षों की दुर्गति भी देखी है। देश के करोड़ों गरीब जीवन की मूलभूत सुविधाओं से -शेष पृष्ठ दो पर

## मां कामाख्या देवालय में 22 जून से शुरू होगा अंबुवासी मेला

**गुवाहाटी (एजे)।** असम के गुवाहाटी में कामाख्या देवालय में 22 से 26 जून तक श्रद्धालुओं की सबसे बड़ी उत्सव में से एक पवित्र अंबुवासी मेला आयोजित किया जाएगा। मंदिर प्रबंधन ने अंबुवासी मेले के महायोग की घोषणा की है और मेले की देखरेख के लिए एक विशेष समिति का गठन किया है। अंबुवासी मेला, मातृत्व की देवी, मां कामाख्या के वार्षिक मासिक धर्म चक्र का जश्न कामाख्या मंदिर में मनाता है, जो एक प्रमुख हिंदू तीर्थस्थल और 52 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां पारंपरिक मूर्तियों की पूजा नहीं होती है; इसके बजाय, पूजनीय वस्तु एक योनि आकार का पत्थर है। ऐसा माना जाता है कि इस त्यौहार के दौरान देवी -शेष पृष्ठ दो पर

## बच्चा बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार, 13 बच्चों को बचाया

**हैदराबाद।** पुलिस ने मंगलवार को बच्चा बेचने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडफोड़ कर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। ये बच्चे दिल्ली की दो महिलाएं एवं पुणे का एक व्यक्ति गिरोह को मुहैया कराता था। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 13 बच्चों को बचा लिया। रचाकोंडा पुलिस आयुक्त तरुण जोशी ने बताया कि पुलिस ने पुख्ता सूचना पर गिरोह का भंडाफोड़ कर गत 22 मई को तीन लोगों को गिरफ्तार किया -शेष पृष्ठ दो पर

## गांवों को सड़क से जोड़ने का काम वाजपेयी ने किया : गडकरी

**ऊना।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि चुनाव खत्म होते ही भाखड़ा बांध के तहत बनी गोबिंद सागर झील पर 920 करोड़ रुपए की लागत से सबसे बड़े पुल का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। केंद्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी बुधवार को कुटलैहड़ क्षेत्र के टक्का में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने हिमाचल प्रदेश को 16 हजार करोड़ के रोपवे प्रोजैक्ट दिए हैं। इसी कड़ी में कुल्लू जिला के सुप्रसिद्ध बिजली महादेव को भी रोपवे से जोड़ने का काम शुरू हो जाएगा। केंद्र सरकार ने 10 वर्ष में कश्मीर से कन्याकुमारी -शेष पृष्ठ दो पर

## सहारा में जिन लोगों का पैसा फंसा है, हम उनकी पाई-पाई वापस करेंगे : अमित शाह

**महाराजगंज (हि.स.)।** भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को एक चुनावी जनसभा में कांग्रेस और सपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग झूठ बोलने में माहिर हैं। अभी ये सहारा के रिफंड का मुद्दा उठा रहे हैं। जब सहारा का घोटाला हुआ तो किसका राज था? अखिलेश की सरकार में घोटाला हुआ। शाह ने कहा कि मोदी ने तो रिफंड की शुरुआत की। सहारा में जिन लोगों का पैसा फंसा है, हम उनकी पाई-पाई वापस करेंगे। गृहमंत्री शाह ने महाराजगंज जिले के जवाहरलाल नेहरू पीजी कॉलेज के ग्राउंड में पार्टी प्रत्याशी पंकज चौधरी के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहा कि विपक्ष ने तय कर लिया है कि अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ना है। चार जून को काउंटिंग है, चार जून की दोपहर को ये दोनों शहजादे (राहुल और अखिलेश) प्रेस कांफ्रेंस करेंगे और कहेंगे कि ईवीएम खराब थी, इसलिए हम हार गए। राहुल गांधी हमें डराते हैं कि पीओके मत मांगो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। -शेष पृष्ठ दो पर

## छिंदवाड़ा में आठ परिजनों की हत्या कर युवक ने की आत्महत्या

**छिंदवाड़ा (हि.स.)।** छिंदवाड़ा में परिवार के आठ लोगों की हत्या कर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिले के तामिया तहसील में थाना माहुलझिर के बोदल कछार गांव की है। परिवार के लोगों की हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तामिया तहसील में थाना माहुलझिर के बोदल कछार गांव में दिनेश उर्फ भूरा अपने परिवार के साथ रहता था। मंगलवार देर रात 2.30 बजे आरोपित दिनेश ने सबसे पहले अपनी पत्नी को कुल्हाड़ी से -शेष पृष्ठ दो पर

## 50 छात्राओं के बेहोश होने के बाद जागी बिहार सरकार, 8 जून तक स्कूल बंद रखने के दिए निर्देश

**पटना।** पूरे उत्तर भारत में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। आसमान आग उगल रहा है। दिल्ली में पारा 50 डिग्री के पार चला गया है जबकि बिहार में भीषण गर्मी के कारण बुधवार सुबह 50 से अधिक छात्राएं बेहोश हो गईं। छात्राओं के इस तरह बीमार होने की जानकारी मिलने के बाद अब बिहार सरकार ने एक्शन लेते हुए सभी स्कूलों को बंद करने के आदेश जारी किए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गर्मी को देखते हुए मुख्य सचिव को राज्य में सभी स्कूल बंद करने के दिए निर्देश जारी किया है। जिसके तहत 30 मई से 8 जून तक सभी स्कूल और शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे। दरअसल बिहार में गर्मी की वजह से 50 छात्राएं स्कूल में ही बेहोश हो गई थीं। जिससे हड़कंप मच गया था। जिसके बाद हालात को देखते हुए बिहार सीएम ने सभी स्कूलों को बंद करने का -शेष पृष्ठ दो पर

## मेजर राधिका सेन संयुक्त राष्ट्र के प्रतिष्ठित पुरस्कार से होगी सम्मानित

**संरा।** कांगो में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवा दे चुकी भारतीय महिला शांति रक्षक मेजर राधिका सेन को एक प्रतिष्ठित सैन्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने उन्हें *सच्चा नेता और आदर्श* बताया। कांगो गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन में सेवा दे चुकीं मेजर सेन को 30 मई को अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस के मौके पर यहां विश्व निकाय के मुख्यालय में गुतारेस द्वारा प्रतिष्ठित *2023 यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड* प्रदान किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

## देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी का कहर, आईएमडी ने जारी किया रेड अलर्ट

**नई दिल्ली।** देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का कहर जारी है, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और मध्य प्रदेश के लिए *रेड* अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने दिल्ली में अधिकतम तापमान 46 डिग्री रहने का अनुमान लगाया है। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के लिए *ऑरेंज* अलर्ट भी जारी किया गया है। आईएमडी ने अपने बुलेटिन में कहा कि राजस्थान के कई या अधिकांश हिस्सों में, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ या कई हिस्सों में, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में -शेष पृष्ठ दो पर

### दिल्ली में दोपहर 12 से 3 बजे तक काम नहीं करेंगे मजदूर : एलजी

**नई दिल्ली।** दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने बुधवार को निर्देश दिया कि शहर में भीषण गर्मी के मद्देनजर निर्माण स्थलों पर मजदूरों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक वेतन सहित ब्रेक दिया -शेष पृष्ठ दो पर

## पोलैंड ने यूक्रेन को रूस पर हमले की दी इजाजत

**वॉरसॉ।** रूस की पश्चिमी देशों को युक्रेन की मदद न करने की दी गई चेतावनी के बावजूद पोलैंड ने यूक्रेन को रूस पर हमले की इजाजत दे दी है। पोलैंड ने अब तक यूक्रेन को एक दर्जन मिग-29 लड़ाकू विमान, 335 टैंक और 100 से अधिक आईएफवी, हॉवित्जर और वायु रक्षा प्रणाली दी हैं। पोलैंड के रक्षा मंत्रालय के उप प्रमुख सेसरी टॉम्जिक ने कहा कि यूक्रेन अपने विवेक से इनका इस्तेमाल कर सकता है। वारसॉ ने पुष्टि की है कि यूक्रेन पोलिश हथियारों से रूस के अंदर हमला कर सकता है। पोलैंड के रक्षा उप मंत्री सेजरी टॉम्जिक के अनुसार, यूक्रेनियन अपनी इच्छानुसार लड़ सकते हैं। जब पूछा गया कि क्या यूक्रेनी सेना द्वारा पोलिश हथियारों के उपयोग में किसी प्रतिबंध पर चर्चा की गई थी, उदाहरण के लिए, -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# हिंदी साहित्य भारती ने गिनीज बुक में स्थान पाकर बनाया विश्व कीर्तिमान

**झांसी ( हि.स. )।** पूर्व शिक्षा मंत्री एवं हिंदी साहित्य भारती के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर रवींद्र शुक्ल ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि हिंदी साहित्य भारती द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यक्रम के शीर्षक *सब में राम शाश्वत श्रीराम, भारतीय संस्कृति के वैश्विक आयाम* के अंतर्गत गिनीज बुक में चीन द्वारा बनाए गए कीर्तिमान को ध्वस्त करते हुए में अपना नाम दर्ज कराकर विश्व कीर्तिमान बनाया। शुक्ल ने बताया कि आगे बहुत सारे और भी काम गिनीज बुक में दर्ज होंगे। हिंदी साहित्य भारती का मुख्य उद्देश्य है *मानव बन जाए जग सारा यह पावन संकल्प हमारा* के पावन लक्ष्य को लेकर हमारे पुरातन ऋषियों ने *कृण्वंतो विश्वम् आर्यम्* अर्थात् विश्व को श्रेष्ठ बनाओ का नारा देकर संपूर्ण विश्व के कल्याण की कल्पना की थी। हिंदी साहित्य भारती ने भी उन अपने पूर्वजों के इस ध्येय को सामने रखकर ये संकल्प लिया है *मानव बन जाए जग सारा यह पवन संकल्प हमारा।* हिंदी साहित्य भारती का मानना है कि एकमात्र भारतीय चिंतनधरा ही दुनिया को शांति के मार्ग पर ला सकती है। इसी चेतना को हृदय में रखकर हिंदी साहित्य भारती विश्व कल्याण की दिशा में सतत गतिमान है। हिंदी साहित्य भारती वैश्विक स्तर पर 36 देशों में कार्य कर रही है। भारत के प्रत्येक प्रदेश एवं अनेकों जिलों में अपने टीम का गठन कर चुकी है एवं हिंदी के समग्र उत्थान एवं प्रसार हेतु सतत सक्रिय है। हिंदी को आठवीं अनुसूची में हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने हेतु संघर्षरत है। केंद्रीय अध्यक्ष डॉ रवींद्र शुक्ल ने उक्त ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा देश विदेश के अनेकों साहित्यकारों, हिंदी साहित्य भारती को आगे बड़ाने के लिए दिन रात टीम लगी है एवं हिंदी साहित्य भारती के केंद्रीय उपाध्यक्ष, मुम्बई पोलिस के वरिष्ठ अधिकारी कृष्णप्रकाश के संयोजन में एवं भगवती फाउंडेशन के ओपी जैन, अमित कुलकर्णी, सीमा सिंह, निदर्शना गोश्वामी आदि के सहयोग से उक्त कीर्तिमान स्थापित किया गया। केंद्रीय कार्यालय प्रभारी निशांत शुक्ल, सह प्रभारी रुचि जतारिया, जन संचार सह संयोजक नीरज सिंह, महानगर जिलाध्यक्ष संजय राष्ट्रवादी झांसी जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी मक्खन, प्रताप नारायण दुबे, ब्रजलता मिश्रा, साकेत सुमन चतुर्वेदी, हरशरण शुक्ल, रामबिहारी सोनी तुक्कड़ आदि अनेकों साहित्यकारों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

# राजमार्ग 127 पर पलटा गैस सिलेंडर ले जा रहा ट्रक

**नगांव ( हिंस )।** सामागुड़ी में राष्ट्रीय राजमार्ग-127 पर गैस सिलेंडर ले जा रहा एक ट्रक पलट गया, जिससे बड़ी बाधा उत्पन्न हुई और स्थानीय निवासियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह घटना सामागुड़ी के रंगगोरा तिनाली में हुई, जिससे यातायात में भारी बाधा हो गई। ट्रक (एएस-01एलसी-5266) पलटने से पहले नियंत्रण खो बैठा था। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय निवासियों को संदेह है कि चालक को गाड़ी चलाते समय नींद आ गई होगी, जिससे यह दुर्घटना हुई। हालाकि, सटीक कारण का अबतक पता नहीं चल पाया है। घटना के समय ट्रक में मौजूद चालक और सहायक दोनों ही दुर्घटना में घायल हो गए।

# बलूचिस्तान में बस खाई में गिरी, 28 की मौत

**इस्लामाबाद ( हि.स. )।** पाकिस्तान में बलूचिस्तान के वाशुक जिले में आज सुबह एक यात्री बस के खाई में गिर जाने से महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई। बचाव और लेवी अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना में लगभग 22 लोग घायल हो गए। उन्हें बसिमा के सिविल अस्पताल ले जाया गया। बचाव अधिकारियों ने बताया कि यात्री बस का टायर फटने से यह दुर्घटना हुई। बस ग्वादर से क्वेटा जा रही थी। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने दुर्घटना पर शोक जताया और दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को घायलों को सहायता प्रदान करने का भी निर्देश दिया। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने भी दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और घायलों के लिए प्रार्थना की।

## बाढ़ की वजह से जनजीवन प्रभावित

**नगांव ( हिंस )।** नगांव जिले के कामपुर इलाके में बरसात के बाद नदियों में आए उफान की वजह से कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस आया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि लगातार कई दिनों से हो रहे बरसात के वजह से कार्बी लांग्पी जल विद्युत परियोजना के सात गेट खोल दिए गए हैं। जल विद्युत परियोजना के गेट खोले जाने की वजह से कई तटबंध टूट गए हैं। तटबंध टूटने की वजह से कसूवा, सिंगीमारी, माधवपड़ा, लंजाप, जूरीपार, सिमलुगुड़ी समेत कई गांवों में बाढ़ का पासी घुस आया है। लोग ऊंचे स्थानों पर आश्रय लेने को मजबूर हैं। वहीं कई जगहों पर सड़क के ऊपर पानी बहने की वजह से लोगों का यातायात व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गया है। स्थानीय लोगों ने राज्य सरकार से हर संभव मदद मुहैया कराएं जाने की जाने की गुहार लगाई है।

# पश्चिम बंगाल मुस्लिम एसोसिएशन ने की ओबीसी आरक्षण पर चर्चा

**कोलकाता ( हि.स. )।** कलकत्ता उच्च न्यायालय ने हाल ही में बड़ी संख्या में ओबीसी के आरक्षण प्रमाणपत्र रद्द कर दिए। इसी मुद्दे पर बुधवार को कोलकाता प्रेस क्लब में ओबीसी आरक्षण पर परिचर्चा हुई। पश्चिम बंगाल मुस्लिम एसोसिएशन के महासचिव पद्मश्री काजी मासूम अख्तर, अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष एंताज अली शाह और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख लोग उपस्थित रहे। चर्चा में आलिया यूनिवर्सिटी, जादवपुर यूनिवर्सिटी समेत राज्य के कई शैक्षणिक संस्थानों के अल्पसंख्यक छात्र भी मौजूद रहे। मौजूद छात्रों ने कहा कि यह प्रचारित किया जा रहा है कि राज्य सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए विकास किया है, जबकि कुछ ने कहा कि इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। इस संदर्भ में कहा गया कि आलिया यूनिवर्सिटी के एक छात्र ने कहा कि यूनिवर्सिटी की प्रयोगशाला को ठीक करना, सरकार द्वारा दिए जाने वाले भत्ते से ज्यादा जरूरी बुनियादी ढांचे का समग्र विकास करना है। एक अन्य छात्र ने बताया कि राजनीति में अल्पसंख्यकों को हमेशा शतरंज के मोहरों के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। न तो पिछली राज्य सरकार और न ही बंगाल के वर्तमान शासकों ने अल्पसंख्यकों का कोई वास्तविक विकास किया। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की जरूरत है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी अल्पसंख्यकों का समग्र विकास है। पश्चिम बंगाल मुस्लिम एसोसिएशन के महासचिव पद्मश्री काजी मासूम अख्तर ने कहा कि अगर अल्पसंख्यकों को लेकर राजनीति किए बगैर वास्तविक विकास किया जा सके तो यह समाज के लिए अच्छा होगा। काजी मासूम अख्तर ने यह भी कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के प्रमुख राज्य की सत्ताधारी पार्टी को वोट देने की बात कर रहे हैं, जो अनुचित है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की मुख्यमंत्री ने चुनावी जनसभा से साधु-संतों पर हमला बोला है।

# केंद्र में सरकार बनने पर पचास फीसदी रोजगार महिलाओं को मिलेगा : प्रियंका गांधी

**कुल्लू ( हि.स. )।** कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार बनने पर हर गरीब परिवार की सबसे बुजुर्ग महिला के खाते में 8500 रुपए डलवाए जाएंगे। यह राशि हिमाचल सरकार की ओर से मिलने वाली राशि के अतिरिक्त होगी। इसके अलावा पचास फीसदी रोजगार महिलाओं को दिया जाएगा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी बुधवार को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। प्रियंका गांधी ने मंच से भाजपा उम्मीदवार विक्रमादित्य के पक्ष में वोट करने की अपील की। गांधी ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद 50 प्रतिशत रोजगार महिलाओं को दिया जाएगा। इसके अलावा आशा वर्कर, मिडडे मील और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय दोगुना किया जाएगा, किसानों की खेती में इस्तेमाल होने वाले सभी उपकरणों से जीएसटी समाप्त किया जाएगा। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश की संपति कुछ खरबपतियों की जेब में न जाकर आम जनता की जेब में जाए, इसके लिए कांग्रेस सरकार कार्य करेगी। गांधी ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य आपका कानूनी अधिकार है, इस पर कानून बनाया जाएगा। बारिश और ओले पड़ने से फसल का नुकसान होता है। इस पर भी कानून बनाया जाएगा। एक माह के भीतर नुकसान की रकम पीड़ित तक पहुंचेगी, इसके लिए भी कानून बनाया जाएगा। प्रियंका गांधी ने कहा कि मजदूरों का बहुत शोषण हो रहा है। इसे रोकने के लिए कानून बनाया जाएगा, इससे दिहाड़ी मजदूरों को चार सौ से कम मजदूरी नही दी जा सकेगी। मनरेगा कांग्रेस लाई थी ताकि आप मजबूत बनें और गांव में ही मजदूरों को एक सौ दिन का रोजगार मिले। अब शहरों में भी 100 दिन का रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में आपदा आई तो मुख्यमंत्री से लेकर सभी मंत्री आपको राहत जुटाने में जुट गए। केंद्र सरकार से इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के लिए कहा गया लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार ने इस पर भी राजनीति की। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा घोषित नहीं की। बुरे समय ही पता चलता है आपके साथ कौन खड़ा है या कौन दूर रहा। कांग्रेस उस घड़ी आपके साथ खड़ी थी। मोदी हिमाचल को अपना घर बताते हैं लेकिन राष्ट्रीय आपदा घोषित नहीं किया क्योंकि वो इसमें भी राजनीति कर रहे थे। प्रियंका गांधी ने भाजपा पर प्रदेश में धनबल के बल पर सरकार को तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधायकों को खरीद कर, उन्हें डरा धमका कर राज्य की सरकार को गिराने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सभ्य राजनीति है, जहां मुसीबत में आप के साथ खड़े रहते हैं।

# *पृष्ठ एक का शेष*

## *सीएम डॉ. शर्मा ने...*

बाद भारी बारिश और तूफान के कारण असम में अब तक चार लोगों की मौत हो गई है और 18 अन्य घायल हो गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जिला आयुक्तों (डीसी) से मृतकों के परिजनों को तत्काल अनुग्रह राशि देने को कहा है। शर्मा ने चक्रवात प्रभावित जिलों के उपायुक्तों को प्रभावित परिवारों को सभी आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने और घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। चूंकि लोकसभा चुनाव की मतगणना की तारीख (4 जून) नजदीक आ रही है, इसलिए उन्होंने उपायुक्तों को राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए अलग-अलग टीमें गठित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने असम विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) के वरिष्ठ अधिकारियों को चक्रवात प्रभावित सभी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने को कहा। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से वर्षा का पानी कम होने पर हरंगाजाओ और जटिंगा के बीच सड़क संपर्क बहाल करने को भी कहा। शर्मा ने बराक घाटी के तीन जिलों के उपायुक्तों को असम और पड़ोसी राज्यों मणिपुर और मिजोरम में नदियों के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए खाद्यान्न और अन्य खाद्य वस्तुओं का पर्याप्त भंडार रखने को कहा। उन्होंने मुख्य सचिव रवि कोटा से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बरपेटा, चिरांग और बाक्सा के उपायुक्त भूटान के अपने समकक्षों के साथ इस हिमालयी राज्य में कुरिचू जलविद्युत संयंत्र से पानी छोड़े जाने की स्थिति में अग्रिम सूचना उपलब्ध कराने के लिए बात उठाएं। अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को चक्रवात रेमल के कारण हुए बुनियादी ढांचे और संपत्तियों के पूर्ण और आंशिक नुकसान का उचित आकलन करने को कहा है।

## *मिजोरम भूस्खलन ...*

पाई बेबी जोरेम्सियामी (36), एबेल लालमलसाओमा (4), डोरोथी लालरुआत्किमी (20), थांग्ट्लुआंगा (47), लालरेमत्लुआंगा (32), लालदुहूमी (34), लालहोलिम्पुई (6), लालनुनसियामी (45), म्वांजोवा (55) और ग्लोरिया एमएस डोंगलियानी (14) के रूप में की गई है। इसके अलावा मृत प्रवासियों में बिटू मंजीत, संजय राय, दीप मांजी और गुमेश्वर चौधरी की पहचान की गई है। अभी तक लालथाकिमा (42), लालवेनहिमा (6 महीने) और डेबोरा लालाओमी (12) सहित पांच अन्य गैर-मिजो के शव बरामद नहीं किए गए हैं। जिलाधिकारी नजुक ने बताया कि सेलम इलाके में हुए भूस्खलन में मेल्थम और ह्लिमेन के अलावा एक परिवार के मुखिया, उनकी पत्नी और बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा फाल्कन, कानन, कुलिकुन और आईटीआई इलाकों में भूस्खलन से कई लोगों की मौत हो गई। भूस्खलन के कारण कानन इलाके में 51 कब्रिस्तान नष्ट हो गए। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीएमए, अर्ध सैनिक बल और यंग मिजो एसोसिएशन सहित कई स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों के स्वयंसेवक बचाव अभियान चला रहे हैं। नजुक कुमार ने कहा कि कल दोपहर मुख्यमंत्री पी लालदुहोमा ने आपदा प्रबंधन और पुनर्वास मंत्री पीके सपडांगा, कुछ मंत्रियों, विधायकों और राज्य के गृह विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ एजल में दो सबसे खराब आपदा स्थलों का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए आपदा न्यूनीकरण कोष से 15 करोड़ रुपए मंजूर करने की घोषणा की। आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को एकमुश्त राहत के रूप में चार लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। आठ पीड़ितों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की एकमुश्त सहायता की पहली किश्त सौंप दी गई। उन्होंने कहा कि शेष दो लाख रुपए अंतिम रिपोर्ट के बाद वितरित किए जायेंगे।

## *अगले छह महीने ...*

वंचित थे। भारत जैसे देश में भुखमरी की खबरे आम होती थीं। पीने के लिए पानी नहीं था, 18 हजार से ज्यादा गांवों में बिजली नहीं थी। परिवारवाद की राजनीति ने करोड़ों युवाओं के सपनों को मार दिया था। जो देश हमारे साथ आजाद हुए थे, हमसे छोटे थे, सामान्य थे, वो आज कहां से कहां पहुंच गए। हमारे पास इतना टैलेंट, इतना सामर्थ था लेकिन हम पीछे छूटते चले गए। अब जब यह भारत नई रफ्तार से आगे बढ़ रहा है तो पूरी दुनिया देख रही है। भारत का डंका बज रहा है। मोदी ने कहा कि टीएमसी की जीत का बहुत बड़ा नुकसान इस क्षेत्र के लाखों मछुआरों को हो रहा है। केंद्र सरकार मछुआरे भाई-बहनों के लिए इतनी सारी योजनाएं चला रही है। टीएमसी बंगाल में मत्सय पालन से जुड़े केंद्रीय कानून लागू नहीं होने दे रही है। मोदी ने कहा कि टीएमसी को तो अपने तोलाबाजों और कट-मनी सिस्टम से मतलब है। लोग भी समझ चुके हैं कि ईमानदारी से विकास केवल और केवल भाजपा ही कर सकती है। आप भाजपा को बंगाल में मजबूत कीजिए, आपकी हर अपेक्षा भाजपा ही पूरा करेगी। इस लोकसभा चुनाव में पीएम की बंगाल में यह 24वीं और आखिरी रैली थी। इनमें खराब मौसम के चलते हाल में तमलुक की रैली में पीएम शामिल नहीं हो सके। उसको उन्होंने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। पीएम ने एक दिन पहले मंगलवार को कोलकाता में एक मेगा रोड शो भी किया।

## *मां कामाख्या देवालय...*

अपने वार्षिक मासिक धर्म चक्र से गुजरती हैं और एकांतवास के प्रतीक के रूप में मंदिर हिंदू महीने आषाढ़ के 7वें दिन से शुरू होकर तीन दिनों के लिए बंद रहता है। एकांतवास अवधि के अंत को चिह्नित करते हुए मंदिर 12वें दिन औपचारिक रूप से फिर से खुलता है। इस पुनः खुलने के बाद बड़े पैमाने पर उत्सव मनाया जाता है, जिसमें हजारों भक्त आते हैं और प्रजनन और समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगते हैं। *अंबुवासी* शब्द का अर्थ है *पानी से बोला गया,* जो मानसून की बारिश की शुरुआत को दर्शाता है जो मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए आवश्यक है। त्यौहार के दौरान, नियमित पूजा रोक दी जाती है, और जुताई और बुवाई जैसी कृषि गतिविधियां निषिद्ध हैं। भक्त खाना पकाने से भी परहेज करते हैं, और चौथे दिन, वे पानी से बर्तन और कपड़े शुद्ध करते हैं। अनुष्ठान के भाग के रूप में भक्त शुद्धिकरण समारोह में भाग लेते हैं और अनुष्ठान के बाद मंदिर में प्रवेश करना शुभ माना जाता है। अंगोदक (पवित्र जल) और अंगबस्त्र (पवित्र कपड़ा) के रूप में चढ़ाया जाने वाला प्रसाद भक्तों में वितरित किया जाता है।

## *बच्चा बेचने वाले ...*

और उनके कबूलनामे के आधार पर सोमवार को आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। लिया। जांच के दौरान सामने आया कि गिरोह को दिल्ली की किरण व प्रीति और पुणे के कन्हैया से 50 हजार रुपए के हिसाब से बच्चे मिलते थे। तीनों ने गिरफ्तार किए गए लोगों को तकरीबन 50 बच्चे दिए थे। आरोपितों के एजेंट बिचौलियों के माध्यम से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बच्चों की जरूरत वाले लोगों को 1.8 लाख से 5.50 लाख रुपए प्रति बच्चे के हिसाब से बेच देते थे। गत 22 मई को एक बच्चे को 4.50 लाख रुपए में बेचने के आरोप में पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर (आरएमपी) शोभा रानी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस जांच में गिरोह के बारे में जानकारी हासिल हुई।

## *गांवों को सड़क से ...*

को नैशनल हाइवे के साथ लगभग जोड़ दिया है। गडकरी ने कहा कि हिंदोस्तान के इतिहास में यदि किसी ने गांव को सड़क से जोड़ने का काम किया है तो वह अटल बिहारी वाजपेयी थे। उन्होंने ऐसी योजना बनाई कि आज सभी गांव सड़क से जुड़े हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ हिमाचल प्रदेश को हुआ है। गडकरी ने कहा कि सरकार ड्रोन सिस्टम को भी प्रभावी तरीके से धरातल पर उतार रही है। हिमाचल प्रदेश में इसी ड्रोन सिस्टम से अब दवाइयां पहुंचाने से लेकर ढुलाई तक के सभी कार्य पूरे होंगे।

## *सहारा में जिन...*

अरे राहुल गांधी, हम भाजपा वाले हैं, हम एटम बम से नहीं डरते हैं। पीओके हमारा है, रहेगा और हम उसे लेकर रहेंगे। भाजपा नेता ने कहा कि 6 चरणों के मतदान हो चुके हैं, पांच चरण के मतदान में ही मोदी 310 पार कर गए हैं। छठे और सातवें चरण का मतदान 400 पार कराने का है। राहुल गांधी की कांग्रेस 40 सीट भी पार नहीं कर रही है और अखिलेश यादव की सपा 4 के अंदर रहने वाली है। गृहमंत्री शाह ने कहा कि एक ओर रामभक्तों पर गोली चलाने वाले हैं और एक ओर राम मंदिर बनाने वाले हैं। तय आपको करना है। कांग्रेस 70 साल में राम मंदिर नहीं बनवा पाई। मोदी सरकार ने राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा भी कराई और राम मंदिर भी बनवाया। उन्होंने पंकज चौधरी को भारी मतों से जिताने की अपील की। जनसभा में मंच पर राज्य की मंत्री गुलाबो देवी और भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## *छिंदवाड़ा में आठ ...*

काटा फिर अपनी मां-बहन, भाई-भाभी और दो भतीजियों-भतीजे को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद दिनेश अपने ताऊ के घर पहुंचा और एक 10 साल बच्चे पर हमला किया, तभी उसकी दादी ने शोर मचा दिया। इसके बाद दिनेश मौके से भाग गया। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को तड़के 3 बजे घटना की सूचना मिली। आसपास के थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। घर में शव पड़े हुए थे। पुलिस ने पत्नी (23), मां (55), भाई (35), भाभी (30), बहन (16), भतीजा (5), दो भतीजी (4 और डेढ़ साल) के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से गांव के लोगों में डर बना हुआ है। बाद में गांव से 150 मीटर दूर नाले के किनारे आरोपित का शव पेड़ से लटका मिला। घायल बच्चे को इलाज के लिए छिंदवाड़ा ले जाया गया है। एसपी मनीष खत्री ने बताया कि 21 मई को ही आरोपित दिनेश की शादी हुई थी। बताया जा रहा है कि दिनेश मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। पूर्व में उसका होशंगाबाद (नर्मदापुरम) में इलाज भी चला है। घटना के बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। एसपी ने बताया कि आठ शव घर में मिले और जंगल में सर्च के दौरान आरोपित का शव पेड़ से लटका मिला। एसपी का कहना है कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल की जांच की है। दिनेश ने परिवार के सदस्यों की हत्या करने के बाद फिर खुदकुशी क्यों की। यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

## *50 छात्राओं के ...*

फैसला किया है। बिहार में आसमान से बरस रही आग ने पिछले 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस दौरान स्कूल में बच्चे पढ़ाई के लिए जाते रहे। बुधवार 29 मई को सुबह बिहार के शेखपुरा, बेगूसराय, खगड़िया, भागलपुर, मोतिहारी समेत कई जिलों से स्कूलों में बच्चे गर्मी के चलते बेहोश हो गए। जिससे अफरा-तफरी मच गई थी। शेखपुर के एक स्कूल में 50 छात्राएं बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ीं। जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं बेगूसराय में भी कई छात्राएं बेहोश हो गईं, जिन्हें मटिहानी पीएससी में भर्ती कराया। इन हादसे से हर कोई सकते में आ गया। स्कूल कैंपस में हड़कंप मच गया। प्रचंड गर्मी में स्कूल खुले रहने को लेकर कई लोगों ने नाराजगी जाहिर की। बच्चों के परिजनों से लेकर शिक्षक और नेताओं तक ने अपर मुख्य सचिव केके पाठक से स्कूलों को बंद करने की मांग की, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया। इसको लेकर राजनीति भी शुरू हो गई। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने तो केके पाठक के आदेश को तुगलगी फरमान तक करार दे दिया।

## *मेजर राधिका सेन ...*

मेजर सेन भारतीय त्वरित तैनाती बटालियन की कमांडर के तौर पर मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक कांगो गणराज्य के पूर्व में तैनात थीं। हिमाचल प्रदेश में 1993 को जन्मी मेजर सेन आठ साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुईं। उन्होंने बायोटेक इंजीनियर के तौर पर स्नातक किया। जब उन्होंने सेना में शामिल होने का फैसला किया था, उस समय वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बंबई से परास्नातक की पढ़ाई कर रही थीं। वह मेजर सुमन गवानी के बाद इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को पाने वाली दूसरी भारतीय शांति रक्षक हैं। मेजर गवानी ने दक्षिणी सूडान में संयुक्त राष्ट्र के मिशन में सेवा दी थी और उन्हें 2019 में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मेजर सेन को उनकी सेवा के लिए बधाई देते हुए गुतारेस ने कहा कि वह एक *सच्ची नेता और आदर्श हैं। उनकी सेवा समग्र रूप से संयुक्त राष्ट्र के लिए एक योगदान है।* इस पुरस्कार की घोषणा के बाद मेजर सेन ने कहा कि यह पुरस्कार मेरे लिए खास है क्योंकि यह कांगो गणराज्य के चुनौतीपूर्ण माहौल में काम कर रहे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान दे रहे सभी शांतिरक्षकों की कड़ी मेहनत को पहचान देता है। अभी संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने वाली महिला सैन्य शांतिरक्षकों में भारत का 11वां सबसे बड़ा योगदान है।

## *देश के कई ...*

27-29 मई के दौरान भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है और उसके बाद धीरे-धीरे इसमें कमी आएगी। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और जम्मू संभाग के कुछ इलाकों में 29 मई तक तथा हिमाचल प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में 30 मई तक लू चलने की संभावना है। इससे पहले मंगलवार को राजस्थान के चुरू में देश में सबसे अधिक तापमान 50.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र के अनुसार, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में गर्मी की स्थिति पश्चिमी विक्षोभ की अनुपस्थिति के कारण है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ आने की उम्मीद है, जिसके बाद 30 मई के बाद लू की स्थिति से राहत मिल सकती है। आईएमडी ने चक्रवात *रेमल* के मद्देनजर बुधवार, 29 मई को पूर्वोत्तर राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 29 मई को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में लगभग 115.5 से 204.4 मिमी तक भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 29 मई से 1 जून तक भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। इस बीच, केरल, माहे, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 31 मई तक और लक्षद्वीप में 29 मई को भारी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, गिलगित बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में 31 मई तक गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ छिटपुट से लेकर छिटपुट हल्की वर्षा होने की संभावना है।

## *दिल्ली में दोपहर ...*

जाए। कई इलाकों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। एलजी ने निर्देश दिया है कि मजदूरों के लिए तीन घंटे का ब्रेक दिल्ली विकास प्राधिकरण ने 20 मई से ही लागू कर दिया है और यह सभी स्थलों पर तब तक जारी रहेगा जब तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं आ जाता। अधिकारियों ने बताया कि एलजी ने 20 मई को डीडीए को निर्देश दिया था कि निर्माण स्थलों पर मजदूरों को पानी और नारियल पानी उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाए ताकि वे हाइड्रेटेड रह सकें। उन्होंने निर्देश दिया है कि मुख्य सचिव तुरंत पीडब्ल्यूडी, डीजेबी, आईएंडएफसी, एमसीडी, एनडीएमसी, बिजली विभाग, डीयूएसआईबी के अधिकारियों की बैठक बुलाएं और मजदूरों और पर्यवेक्षी कर्मचारियों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करें। इसके अलावा, उन्होंने निर्देश दिए हैं कि बस यात्रियों को राहत प्रदान करने के लिए बस कतार आश्रयों में पीने के पानी से भरे मिट्टी के बर्तनों की व्यवस्था की जाए, एसटीपी के उपचारित पानी के टैंकरों को सड़कों पर छिड़काव के लिए तैनात किया जाए, लोगों को राहत प्रदान करने के लिए प्रदूषण से निपटने के लिए ऊंची इमारतों और सड़कों पर स्थापित पानी के छिड़काव को सक्रिय किया जाए।

## *पोलैंड ने यूक्रेन...*

रूसी संघ के क्षेत्र पर हमले करने में अधिकारी ने कहा कि हम यूक्रेन को जो पोलिश हथियार प्रदान करते हैं, उन पर ऐसे प्रतिबंध नहीं हैं। उनके अनुसार, यूक्रेनियन अपनी इच्छानुसार लड़ सकते हैं। टॉम्जिक ने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर क्रूरतापूर्वक हमला किया था, इसलिए उसे अपनी रक्षा करने का अधिकार है। बदले में, हम वह देश हैं जिसने इसमें उसकी मदद करने का फैसला किया है। मेरा मानना है कि बाकी पश्चिमी सहयोगियों को भी इसी तरह के प्रतिबंध हटाने चाहिए। कल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने यूक्रेन को पश्चिमी हथियारों के साथ रूसी क्षेत्र में सैन्य ठिकानों पर हमला करने की अनुमति देने की वकालत की। इससे पहले 23 मई को ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने भी कहा था कि यूक्रेनी सशस्त्र बलों को यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्रदान किए गए हथियारों से रूसी लक्ष्यों पर हमला करने का अधिकार है। 15 मई को, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि वाशिंगटन रूसी संघ के क्षेत्र पर हमलों को प्रोत्साहित नहीं करता है, लेकिन यूक्रेन को खुद तय करना होगा कि उसे क्या करना है।

## *पांच भारतीयों को ...*

रास्ते भारत में प्रवेश किया। असम की रहने वाली महिला वहीदा बेगम के साथ उसका 11 साल का बेटा फैज खान भी है। यह महिला एक ट्रैवल एजेंट के धोखे का शिकार होकर पाकिस्तान पहुंच गई थी। एजेंट ने कनाडा भेजने का वादा करके अफगानिस्तान में छोड़ दिया। सीमा पार करने के बाद वहीदा ने मीडियाकर्मियों को बताया कि पासपोर्ट और वीजा की कमी के कारण नवंबर 2022 से क्वेटा जेल में रखा गया था। रिहा किए गए तीन अन्य लोगों में सूरज पाल, रमेश और शब्बीर अहमद हैं। वहीदा ने बताया कि उन्होंने और उनके बेटे ने दुबई में 7 दिन और कंधार में 7 दिन बिताए। उन्हें चमन सीमा पार करने के लिए मजबूर किया गया। जहां उन्हें पाकिस्तानी रेंजर्स ने गिरफ्तार कर लिया। गदानी जेल में स्थानांतरित होने से पहले उन्होंने क्वेटा जेल में लगभग 6 महीने बिताए। भारत सरकार के प्रयासों और इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग की मदद से वहीदा करीब डेढ़ साल बाद वापस लौट रही है। स्थानीय वकील संतोष कुमार सुमन ने भी रिहाई के लिए प्रयास किए।

तापमान
अधिकतम $30^0$
न्यूनतम $25^0$

# भारी बारिश के बाद अब बाढ़ का खतरा, कई क्षेत्र पानी में डूबे

## बाढ़ की आशंका से ग्रामीणों में भय का माहौल

**कार्बी आंग्लांग ( हिंस )।** चक्रवात रेमल के चलते राज्य में लगातार हो रही बारिश के बाद अब कई इलाकों में बाढ़ का खतरा बन गया है। कारण कार्बी आंग्लांग जिलांतर्गत कार्बी लांग्पी पनबिजली परियोजना के उमरांग्सू खांनदांग बांध के सात गेट खोल देने से निचले इलाके के ग्रामीणों में बाढ़ की आशंका को लेकर भय बना हुआ है। राज्य में लगातार हो रही बारिश के बाद कार्बी लांग्पी पनबिजली परियोजना के उमरांग्सू खांनदांग बांध के सात गेट खोल दिए गए हैं। जिसके चलते मंगलवार की रात से ही कपिली नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कपिली नदी के किनारे रहने वाले लोग बाढ़ की आशंका को लेकर डरे हुए हैं। इस बीच, पश्चिम कार्बी आंग्लांग के खेरनी के दासबस्ती गांव के खेतों के साथ ही एक परिवार के घर में भी लगातार पानी घुस रहा है।ग्रामीण बाढ़ की आशंका को लेकर चिंतित हैं। इस बीच नदी-सहायक नदियों के जलस्तर में वृद्धि के मद्देनजर विभागीय अधिकारियों ने खेरनी-डोंकामोकाम लिंक रोड पर कलंग नदी पर स्थित लकड़ी के कमजोर पुल और तेलहर में बाई-रोड को बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सड़क पर यातायात रोकने का आदेश दिया गया है।

## म्यांमार में 5.6 तीव्रता का भूकंप, पूर्वोत्तर के कई राज्य में रहा असर

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पड़ोसी देश म्यांमार में भारतीय सीमा से सटे इलाके में मंगलवार शाम को भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका असर असम समेत पूर्वोत्तर के मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम तक रहा। भूकंप की तीव्रता रिएक्ट स्केल पर 5.6 थी। सिस्मोलॉजी विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम 6 बजकर 43 मिनट 26 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र भारत के म्यांमार के सीमावर्ती म्यांमार में जमीन में 110 किमी नीचे स्थित था।

## तालाब में तैरते मिला शव

**कछार ( हिंस )।** कछार जिला के सोनाबाड़ीघाट इलाके में स्थित एक तालाब से आज एक व्यक्ति का शव तैरते हुए बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि सोनाबाड़ीघाट इलाके में एक शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से तालाब से शव को बाहर निकाला। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

## गोलाघाट के आधा दर्जन गांवों पर दिखा रेमल का असर

**गोलाघाट ( हिंस )।** चक्रवात रेमल का राज्य के विभिन्न हिस्सों में व्यापक असर देखने को मिला है। गोलाघाट जिले के कमरगांव थानांतर्गत आधा दर्जन से अधिक गांवों में रेमल तूफान का विनाशकारी रूप देखने को मिला। भारी बारिश, तूफानी हवाओं से इलाके के तमाम बड़े-बड़े पेड़ों के साथ बिजली के खंभे और तारों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। एक तरह से हाईवे पर पेड़, बिजली के तार, बिजली के खंभे आदि गिरने से इलाके में यातायात ठप हो गया है। हर जगह बिजली भी काट दी गई है। आंधी से कई परिवारों के घरों, वाहनों आदि पर पेड़ गिरने से काफी नुकसान हुआ है। समूचे कमरगांव क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से सहयोग मांगा है और सभी से आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने की अपील की है। इस तरह की स्थिति राज्य के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिला है। प्रशासन अपने स्तर पर सड़क से पेड़ों को हटाने के साथ ही बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बहाल करने में जुटा हुआ है। रेमल तूफान के चलते अलग-अलग स्थानों पर पेड़ गिरने से दो लोगों की मौत हो गयी तथा अन्य कई लोग घायल हुए हैं।

## तूफान की वजह से एक छात्र की गई जान, चार घायल

**धुबड़ी ( हिंस )।** धुबड़ी जिले के बिलासीपारा इलाके में तूफान की वजह से एक बड़ा पेड़ गिर गया। जिसकी वजह से एक छात्र की मौके पर पर ही मौत हो गई। जबकि, मृत छात्र की मां समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को बताया कि तूफान की वजह से ऑटो रिक्शा के ऊपर एक पेड़ के गिर जाने की वजह से शंकरदेव शिशु और विद्या निकेतन के पहली कक्षा में पढ़ने वाले छात्र शिवम बर्मन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना को लेकर इलाके में मातम का माहौल व्याप्त है। घायलों में शिवम बर्मन की मां भी शामिल है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

# पूसीरे ने फंसे यात्रियों को त्वरित सहायता प्रदान की

**गुवाहाटी ( हिंस )।** चक्रवात रेमल के कारण पूर्वोत्तर क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में भारी वर्षा होने से असम के डिमा हासाओ जिले में ट्रेन परिचालन प्रभावित हुई है। डिमा हासाओ जिले के कुछ पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश से रेलवे ट्रैक, यार्ड और सुरंगों में जल जमाव हो गया। इसके परिणामस्वरूप पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) द्वारा ट्रेन सेवाओं को नियंत्रित करना पड़ा। कुछ ट्रेनें रद्द कर दी गईं, कुछ आंशिक रद्द कर दी गईं और कुछ को पुनर्निर्धारित किया गया। उल्लेखनीय है कि 28 मई को 05:00 बजे से 11:30 बजे तक किमी 110 पर 229 मिमी बारिश हुई थी। न्यू हारांगाजाओ स्टेशन क्षेत्र में 06:00 बजे से 10:00 बजे के बीच 217 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के अलावा तेज चक्रवाती हवा के कारण विभिन्न स्थानों पर कई पेड़ उखड़कर रेलवे ट्रैक पर गिर गए। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि पूसीरे ने तत्परता दिखाते हुए अगरतला और सिलचर की ओर जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में फंसे यात्रियों को लमडिंग और गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर बोतलबंद पेयजल एवं आहार के साथ-साथ आवश्यक सहायता प्रदान की। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से आ रही और अगरतला को जाने वाली ट्रेन संख्या 12519 को लमडिंग स्टेशन पर वापस लाया गया। लमडिंग स्टेशन पहुंचने पर रेल अधिकारियों ने सभी यात्रियों को रात का खाना और बोतलबंद पेयजल मुहैया कराया। बाद में ट्रेन 23:30 बजे गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंची। रेल अधिकारियों ने यात्रियों को गुवाहाटी स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक स्थित प्रथम श्रेणी के प्रतीक्षालय में ठहराया। इसी तरह सियालदह से आ रही और सिलचर को जाने वाली ट्रेन संख्या 13175 को भी लमडिंग स्टेशन पर वापस लाया गया और सभी यात्रियों को रेल अधिकारियों द्वारा चाय-नाश्ता की व्यवस्था की गई। बाद में ट्रेन 01:25 बजे गुवाहाटी स्टेशन पहुंची और यात्रियों को रेल अधिकारियों द्वारा गुवाहाटी स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक स्थित प्रथम श्रेणी के प्रतीक्षालय में ठहराया गया। यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने में सहायता प्रदान करने हेतु वरिष्ठ रेल अधिकारी, रेलवे सुरक्षा बल के कर्मी और नागरिक प्रशासन, गुवाहाटी के अधिकारी स्टेशन पर मौजूद थें। यात्रियों ने इस प्राकृतिक आपदा के समय पूसीरे द्वारा किए गए सहयोग और सहायता की सराहना की। पूसीरे आपदा प्रबंधन गतिविधियों के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई प्रकार के कार्य कर रही है। जहां भी संभव हो, राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर पहाड़ी क्षेत्र के लोगों को सहायता प्रदान की जा रही है। स्थिति में सुधार लाने तक पूसीरे द्वारा ट्रेन परिचालन पुनर्बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

# कामरूप में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

**रंगिया ( विभास )।** कामरूप जिले की जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज अतिरिक्त जिला आयुक्त नित्य बिनोद वारी की अध्यक्षता में एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में पुलिस, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग, एनएचआरए और एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों की उपस्थिति में कामरूप जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में जिले में चल रहे फोर-लेन एनएच कार्य के मद्देनजर सड़क सुरक्षा उपायों के रूप में सड़क संकेत, रिफ्लेक्टिव टेप और बैरिकेड्स लगाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में परिवहन, सड़क निर्माण विभाग और पुलिस विभाग द्वारा दुर्घटना स्थलों के नियमित संयुक्त निरीक्षण पर भी जोर दिया गया। एनएचआरए प्रतिनिधियों ने कहा कि चांगसारी क्षेत्र में राजमार्ग के किनारे पर्याप्त रोशनी के लिए स्ट्रीट लाइट की स्थापना और एनएच-37 (चांगसारी- बाईहाटा) पर ट्रक पार्किंग बे के निर्माण के लिए प्रारंभिक कार्य चल रहे हैं। दुर्घटनाओं के बाद इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता के संबंध में स्वास्थ्य सेवा के संयुक्त निदेशक ने कहा कि पर्याप्त जनशक्ति और अन्य अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सेवा निदेशालय से पहले ही संपर्क किया जा चुका है। बैठक में दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान करने और वहां आवश्यक सुरक्षा उपाय करने, हिट एंड रन की घटनाओं के मामले में पीड़ितों को मुआवजा देने, सड़क दुर्घटनाओं के स्थल पर एम्बुलेंस के समय पर पहुंचने के उपायों पर भी चर्चा हुई। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी एवं विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की संयुक्त पहल के तहत एनएच के निकट शिक्षण संस्थानों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम जारी रखने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर जगह जगह निकटतम पुलिस स्टेशनों और अस्पतालों और आपातकालीन फोन नंबरों के विवरण के साथ संकेत लगाने की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

## बाल तस्करी और सेक्स रैकेट मामले में एक गिरफ्तार

**इटानगर ( हिंस )।** अंतरराज्यीय बाल तस्करी और सेक्स रैकेट मामले की जांच जारी रखते हुए अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर पुलिस ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान नंदराम बोरो के रूप में हुई है। गिरफ्तार व्यक्ति पड़ोसी राज्य असम के दरंग जिले के बोरोलाखाट का मूल निवासी है। मामले में गिरफ्तारियों की कुल संख्या अब 22 हो गई है। इसकी जानकारी आज राजधानी पुलिस अधीक्षक रोहित राजबीर सिंह ने दी। सूत्रों के अनुसार इस मामले में कुछ और प्रमुख लोग और सरकारी अधिकारी भी पुलिस के रडार पर हैं।

# साइबर अपराधियों से लोग रहें सावधान !

**रंगिया ( विभास )।** सइबर अपराधियों से लोग रहे सावधान। मिली जानकरी के अनुसार पिछले कुछ महीनों से रंगिया में इस तरह की घटना देखी गई है। एक शैक्षणिक संस्थान की शिक्षिका और एक प्रतिष्ठित व्यवसायी की पत्नी सहित कई लोगों को साइबर अपराधियों ने इस तरह के फोन कॉल कर उन्हें मानसिक यातना देने की ख़बर प्राप्त हुई है। मालुम हो कि आपराधिक गिरोह अपने फोन नंबर पर पुलिस, सीआईडी या किसी अधिकारी की फोटो लगाकर रखते है। कई लोगों का कहना है कि 92 से शुरू होने वाला फोन नंबर पाकिस्तानी फोन है। अनुमान लगाया जा रहा है कि साइबर अपराधी अबतक कई लोगों से फोन कॉल द्वारा बड़ी रकम वसूल चुके हैं। इस विषय में राज्य की स्मार्ट पुलिस का साइबर विभाग अबतक आपराधिक गिरोह का पता नहीं लगा सका है। इसलिए बाहर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावक अगर सावधान नहीं हुए तो खतरा अनिवार्य है। मिली जानकारी के अनुसार अपराधी चक्र बात करते समय आपको फोन न काटने की भी चेतावनी देते हैं ताकि आप अपने बच्चों या किसी और से सम्पर्क न कर सकें।

# रंगिया: मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

**रंगिया ( विभास )।** लोकसभा चुनाव- 2024 की आगामी मतगणना प्रक्रिया के प्रतिनियुक्त मतगणना कर्मियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आज रंगिया चुनाव जिले के एसडीओ (सी) और डीईओ के सम्मेलन हॉल में आयोजित किया गया। मतगणना प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए मतगणना सुपरवाईजर, मतगणना सहायक, माइक्रो ऑब्जर्वर सहित मतगणना प्रक्रिया से जुड़े अन्य अधिकारियों को प्रथम स्तर का प्रशिक्षण दिया गया। आज के सत्र के प्रशिक्षक के रूप में रंगिया महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर मनोज कुमार सिंह और बिमल दास उपस्थित रहे।

## आग में गोदाम और घर जलकर राख

**नगांव ( हिंस )।** नगांव जिले के पुरनीगोदाम के गरमुर इलाके में लगी आग के दौरान देखे ही देखते एक गोदाम और घर जलकर राख हो गए। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने अग्निशमन की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाने जाने तक पुरनीगोदाम हार्डवेयर और मुबारक हुसैन का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग की वजह से आसपास के कई दुकानों को भी नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शॉर्ट सर्किट या रसोई गैस सिलेंडर से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

# विश्वनाथ : नेपाली संस्कृति सुरक्षा परिषद का पुरोहित सम्मेलन संपन्न

**विश्वनाथ ( विभास )।** विश्वनाथ जिले के कुमलियां के श्री श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रांगण में नेपाली संस्कृति सुरक्षा परिषद के पुरोहित सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें असम के विभिन्न हिस्सों से सैकड़ो पुरोहितों की उपस्थिति में सम्मेलन आयोजित किया गया नेपाली संस्कृति सुरक्षा परिषद के संगठन संपादक गुरुजी फनिंदर गौतम जी की संचालन सभा में मुख्य अतिथि नेपाली संस्कृति सुरक्षा परिषद पुरोहित सम्मेलन के अध्यक्ष गुरुजी देव नायक अधिकारी उपस्थित थे। आमंत्रित अतिथि नेपाली संस्कृति सुरक्षा परिषद के पूर्वोत्तर भारत के सयोजक मोती कुमार नेवार के साथ कार्यकारी अध्यक्ष पुण्य बास्तोला ओर परिषद के सचिव वीरेंद्र कुमार राणा सहित बहुत से वरिष्ठ व्यक्ति उपस्थित थे। उक्त पुरोहित सम्मेलन में का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में चल रहे पवित्र श्री मद्भागवत शिव पुराण सहित मांगलिक अनुष्ठानों के ऊपर विभिन्न विचार विमर्श हुवा उक्त पुरोहित सम्मेलन के बाद नेपाली संस्कृति सुरक्षा परिषद अंतर्गत आमा मंच की कार्यकारी अध्यक्ष रेणु गौतम भंडारी युवतियों को एकत्रित करने वाले मंच पर विस्तार से प्रकाश डाला को वर्तमान में लव जिहाद के बलि चढ़ी नाबालिग युवतियों को उद्धार करवाना सहित वर्तमान समय में सभी संस्कारी धार्मिक भावनाओं को जागृति पैदा करने के साथ भविष्य में एक सफल नारी होकर समाज को एकत्रित करने में अहम भूमिका निभाई जा सकती है साथ ही रेणु गौतम भंडारी ने कहा कि असम में विभिन्न हिस्सों में इस तरह के मातृ सम्मेलन युवती सम्मेलन आयोजित करके एकत्रित करने के लिए जागरूकता पैदा करना जरूरी है।

## छ्यगांव में ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

**कामरूप ( हिंस )।** छ्यगांव पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। छ्यगांव थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी के नेतृत्व में पुलिस की एक बड़ी टीम ने ड्रग्स के साथ तीन ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। छ्यगांव थाना प्रभारी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में सबसे पहले छ्यगांव के मझगुमी से सलेमान अली और फकीर अली को भारी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया। छ्यगांव पुलिस ने इसके बाद जोरशिमलु से पुलिस अधिकारी बिश्वज्योति दास के साथ शफीकुल इस्लाम नाम के एक अन्य ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने तीनों ड्रग्स तस्करों से करीब 5 लाख रुपये का ड्रग्स जब्त करने में कामयाबी हासिल की। तीनों ड्रग्स तस्करों से छ्यगांव पुलिस पूछताछ कर रही है।

# मेघालय शिक्षा समिति ने पद्मश्री सिल्बी पासाह को किया सम्मानित

**गुवाहाटी।** विद्या भारती से संबद्ध मेघालय शिक्षा समिति द्वारा श्री कांची कामकोटि विद्या भारती विद्यालय शिलांग में पद्मश्री सिल्बी पासाह के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मेघालय की कला एवं संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसार के क्षेत्र में विशेष कार्यों हेतु भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024 में पद्मश्री से सिल्बी पासाह को सम्मानित किया गया। विद्या भारती द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, मेघालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष रिन्होमों सुंगोह एवं प्रांत मंत्री प्रो. सौमेन चक्रवर्ती, विशिष्ट व्यवसायी, जीवन राम मुंगी देवी गोयनका ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं मेघालय शिक्षा समिति के संरक्षक बिमल बजाज जी उपस्थित रहे। समारोह में प्रांत कार्यकारिणी सदस्य, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य, छात्र एवं आचार्यों सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं स्थानीय ग्रामवासियों ने भाग लिया। सिल्बी पासाह ने मेघालय शिक्षा समिति एवं विद्या भारती द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। रिन्होमों सुंगोह जी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। समारोह के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन जी ने उद्बोधन प्रदान किया। प्रांत मंत्री प्रो. सौमेन चक्रवर्ती द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

## टाटा सफारी से आठ मवेशी बरामद

**नगांव ( हिंस )।** नगांव जिले के रोहा इलाके से पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आठ चोरी के मवेशी समेत तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बीती रात रोह के खईगढ़ इलाके में स्थानीय लोगों द्वारा आठ मवेशी समेत तीन लोगों को पकड़ा गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस की टीम ने तीनों मवेशी चोरों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने टाटा सफारी वाहन (एएस-01एयू-0701) से आठ मवेशियों को भी जब्त किया है। सफारी का चक्का पंचर होने की वजह से चोर रुके हुए थे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

# होजाई जिले के कई गांव बाढ़ की चपेट में

**होजाई ( निसं )।** चक्रवाती तूफान रेमल के कारण हो रही लगातार बारिश के चलते होजाई जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। होजाई जिला में बाढ़ काफी भयानक रूप धारण कर तबाही मचाई रही है। पहाड़िया जिला डिमाहसाओ एवं उमरंगसो स्थान पर निर्मित जल प्रकल्प और कार्बी-आंगलोंग आंगलांग के निर्मित जल प्रकल्प बांध की स्थिती नाजुक होने के चलते जल प्रकल्प के 7 फाटक को गत काल खोल दिया गया था। जिसके चलते गत रात से ही कर्बी अंगलांग जिला के साथ-साथ होजाई जिला के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए है। जानकारी के अनुसार कल होजाई जिला प्रशासन ने होजाई वासियो को बाढ़ की सूचना सभी बाढ़ पीड़ित अंचलो के लोगो को दे दिया था। जिला प्रशासन ने जानकारी देते हुए कहा कि कपिली नदी के आस-पास तथा बाढ़ अंचल में निवास कर रहे सभी लोगो से आग्रह करते हुए कहा कि सभी लोग बाढ़ प्रभावित अंचल से निकल कर सुरक्षित स्थान पर अपना ठिकाना बना ले, ताकि जिला प्रशासन सभी सुरक्षित स्थानो पर जरूत की सामग्री मुहैया कराने में सुविधा उपलब्ध हो। बाढ़ से होजाई जिला में प्रभावित गांव हावाईपुर ,लश्कर पथार, कारीखाना, बिडिंगबस्ति, शिनगिमारी, रायकटा, कुमराकाटा, नावभंगा, हायंग, राधानगर ,दक्षिण राधानगर, माटीखोला, उत्तर माटीखोला, शावतालबस्ती, बारहफूटी, राजबाड़ी, जाठिहुरा, टेपलागुड़ी, हातिमारा, केंदुगुड़ी, आदि गावो में बाढ़ की स्थिती बनी हुई है। लोगो को जानमाल को लेकर काफी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। होजाई जिला प्रशासन बाढ़ इलाके के दौर कर परिस्थितियों का जायजा लिया। वही स्थानीय विधायक रामकृष्ण घोष ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ व भाजपा के होजाई जिला सभापति अनूप देव ने भी बाढ़ अंचल के दौर कर बाढ़ पीड़ितों को सभी तरह की जरूरी मदद करने का भरोसा दिलाया।

संपादकीय

## दो त्रासद हत्याकांड

**गुजरात** के राजकोट और राजधानी दिल्ली की दो खौफनाक त्रासदियों के पीछे लापरवाही, कानूनहीनता और पैसे के लालच की कई अनकही कहानियां हैं। राजकोट के गेम जोन, मनोरंजन केंद्र की आगजनी में 9 मासूम बच्चों और 28 वयस्कों की मौत हो गई। मौत के आंकड़े अभी गिने जा रहे हैं। दिल्ली के एक अवैध 'बेबी केयर सेंटर' में एक साथ कई ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से आग लगी और 7 नवजात शिशु जलकर भस्म हो गए। फिलहाल 5 नवजात उपचाराधीन हैं। शायद उनके भाग्य में अभी जिंदगी शेष थी, अलबत्ता आगजनी ऐसी थी कि कुछ भी भस्म होकर राख हो जाए। दोनों ही मामले त्रासदी से बढ़कर हत्याकांड हैं, क्योंकि सुरक्षा-व्यवस्था में छिद्र थे। एक ही भवन में शिशु अस्पताल और ऑक्सीजन सिलेंडर की रीफिलिंग के धंधे चल रहे थे। कथित अस्पताल का पंजीकरण 31 मार्च को खत्म हो चुका था। 'शिशु केयर केंद्र' को चार बिस्तरों की ही अनुमति थी, लेकिन वहां 14 बेड बिछाए गए थे। बिजली और आग के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं थे। जो बच्चे यह दुनिया नहीं देख पाए और जिंदगी भी जी नहीं सके, उनके लिए यह सामूहिक हत्याकांड नहीं है, तो और क्या है? एक सहज सवाल मन-मस्तिष्क में उबल रहा है कि क्या राजधानी दिल्ली में भी कोई 'जंगल-राज' हो सकता है! कानून को लागू करने वाले कुछ चेहरे हैं या चारों ओर काला सन्नाटा ही है? राजकोट का अग्निकांड तो मानव-निर्मित था। लोहे की चद्दर से एक अस्थायी ढांचा बनाया गया था, जिसमें बच्चे और अन्य लोग 'गेम' खेलने आते थे। न निकास की समुचित व्यवस्था, न आग बुझाने के उपकरण और कर्मचारी, बल्कि डीजल के भरे ड्रम और टायरों के ढेर वहां पड़े थे। पूरा ज्वलनशील माहौल... ! राजकोट के उस परिसर में करीब 2000 लीटर पेट्रोल का भंडारण था। वह मनोरंजन स्थल था अथवा पेट्रोलियम की कोई दुकान... ! कमाल तो यह है कि गुजरात के शहरी विकास संबंधी कायदे-कानून ऐसी टिन संरचनाओं में ही 'गेम जोन' चलाने की अनुमति देते हैं। देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के राज्य गुजरात में ऐसी घटिया और खतरनाक व्यवस्थाएं हैं, जो उनके विकास-दावों का मुंह चिढ़ाती हैं। गुजरात के 2017 के शहरी विकास कानून में मनोरंजन सुविधाओं के लिए निर्माण और सुरक्षा की 'शून्य' गाइडलाइन है। निजी कारोबारियों ने इन स्थितियों को भुनाया है और अस्थायी संरचनाएं खड़ी कर मनोरंजन के धंधे चला रहे हैं। ऐसे न जाने कितने 'लाक्षागृह' गुजरात में होंगे? दिल्ली का खौफनाक, दर्दनाक, मासूम चीख-पुकार वाला हत्याकांड भी सामने आया है। आंकड़े गवाह हैं कि राजधानी में आग से मरने वालों की संख्या 2021-22 में 591 थी, जो बढ़कर 2022-23 में 1029 हो गई है। यानी बढ़ोतरी दोगुनी हुई है। हर रोज आगजनी से संबंधित औसतन 78 कॉल आती हैं। एक दिन के बाद आग की घटनाओं में औसतन 2 मौत होती हैं। कुछ सर्वेक्षणों में यह निष्कर्ष सामने आया है कि देश भर के 10 में से 8 लोगों के घरों और दफ्तरों में आग से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। करीब 18 फीसदी लोग ही सुरक्षित घरों में रह रहे हैं। करीब 19 फीसदी को पता ही नहीं है कि आग बुझाने का सिस्टम काम करता है अथवा नहीं। करीब 27 फीसदी लोगों ने कबूल किया है कि उन्होंने सुरक्षा मानदंडों का कभी पालन नहीं किया। सिर्फ आगजनी ही नहीं, किसी और वजह से भी ऐसे कांड हुए हैं कि जिनमें लोगों की जिंदगी समाप्त हो गई। गुजरात में ही मोरबी पुल टूटा और 135 मासूम लोग मारे गए। कोल्लम मंदिर में आगजनी से ही 109 मौतें हो गईं। 2018 में वाराणसी फ्लाईओवर ध्वस्त हुआ, जिसमें 18 लोग मरे और राजधानी दिल्ली के मुंडका इलाके की वह आगजनी आज भी आंखों के सामने कौंध जाती है, जिसमें जलकर 27 लोग मारे गए थे। सभी मामलों में प्रशासनिक लापरवाही ही सामने आई।

मौत के आंकड़े अभी गिने जा रहे हैं। दिल्ली के एक अवैध 'बेबी केयर सेंटर' में एक साथ कई ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से आग लगी और 7 नवजात शिशु जलकर भस्म हो गए। फिलहाल 5 नवजात उपचाराधीन हैं। शायद उनके भाग्य में अभी जिंदगी शेष थी, अलबत्ता आगजनी ऐसी थी कि कुछ भी भस्म होकर राख हो जाए। दोनों ही मामले त्रासदी से बढ़कर हत्याकांड हैं, क्योंकि सुरक्षा-व्यवस्था में छिद्र थे। एक ही भवन में शिशु अस्पताल और ऑक्सीजन सिलेंडर की रीफिलिंग के धंधे चल रहे थे। कथित अस्पताल का पंजीकरण 31 मार्च को खत्म हो चुका था। 'शिशु केयर केंद्र' को चार बिस्तरों की ही अनुमति थी, लेकिन वहां 14 बेड बिछाए गए थे। बिजली और आग के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं थे। जो बच्चे यह दुनिया नहीं देख पाए और जिंदगी भी जी नहीं सके, उनके लिए यह सामूहिक हत्याकांड नहीं है, तो और क्या है? एक सहज सवाल मन-मस्तिष्क में उबल रहा है कि क्या राजधानी दिल्ली में भी कोई 'जंगल-राज' हो सकता है! कानून को लागू कराने वाले कुछ चेहरे हैं या चारों ओर काला सन्नाटा ही है? राजकोट का अग्निकांड तो मानव-निर्मित था। लोहे की चद्दर से एक अस्थायी ढांचा बनाया गया था, जिसमें बच्चे और अन्य लोग 'गेम' खेलने आते थे।

### वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है

# राजनीतिक विसंगतियों से बचे नई लोकसभा

ललित गर्ग

**अठारहवीं** लोकसभा के गठन के लिये हो रहे चुनाव अब अन्तिम चरण में हैं। अब चुनाव परिणामों पर सबकी निगाहें लगी है, इसी के साथ नयी लोकसभा कैसी हो, किस तरह से राजनीतिक विसंगतियों से उसे बचाकर एक नये आदर्श लोकसभा का गठन हो, ताकि आजादी का अमृतकाल स्वर्णिम एवं सार्थक बन सके। वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन, संभावनाओं एवं अवसरों से भरी है। व्यापक लोकतांत्रिक सुधारों, समग्र विकास, आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं, सही समन्वय एवं नयी लोकसभा के सदस्यों के आपसी संवाद की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल की पूर्णता तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र एक जीवित तंत्र है, जिसमें सबको समान रूप से अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार चलने की पूरी स्वतंत्रता होती है। लोकतंत्र की नींव जनता के मतों पर टिकी होती है। नागरिकों की आशा-आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासन देने वाला, संसदीय प्रणाली पर आधारित इसका मजबूत संविधान है। लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों के टूटते-बिखरते की स्थितियों और राजनीतिक प्रक्रिया के कारण आम लोगों में अरुचि और अलगाव बहुत साफ दिखाई देता है, इसके कुछ और भी अनेक कारणों में मुख्य है- समानता लोकतंत्र का हृदय है, लेकिन असमानता ही चहूं ओर दिखाई दे रही है। वोटों के गलियारे में सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने की होड और येन-केन-प्रकारेण वोट बटोरने के मनोभाव ने इस उन्नत शासन प्रणाली को कमजोर किया है, जिसकी झलक इन चुनावों में हमने बढ़-चढ़ कर देखी है। नई संसद को लेकर विमर्श प्रारंभ हो गया है और होना भी चाहिए। यह भी याद रखना जरूरी है कि आज भारत का हर नागरिक विश्व में अपने देश के सम्मान को लेकर गौरवान्वित है। देश के भविष्य को लेकर वह काफी आशावान है। दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने को लेकर उत्साहित है। इनकी आशाओं पर खरा उतरने की चुनौती आम चुनावों में सफल होकर प्रधानमंत्री और सांसद बनने वालों के सामने है। इसमें दो राय नहीं कि सकारात्मक नेतृत्व ही व्यक्ति और राष्ट्र को नई प्रेरणा देता है। ऐसे में नवनिर्वाचित सांसदों को सक्रिय संवाद की परम्परा को पुनर्जीवित करने का प्रयास दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करने की अपेक्षा है। इसी से निर्वाचित प्रतिनिधियों की साख एवं स्वीकार्यता बढ़ेगी एवं इसीसे भारत के लोकतंत्र को अपेक्षित गरिमा एवं जीवंतता मिल सकेगी। नयी गठित होने वाली लोकसभा के सामने यह बड़ी चुनौती है। यह चुनौती बड़ी इसलिये है कि राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत-विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी हैं। लोकतंत्र में जनता की भागीदारी केवल वोट देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जनता के स्वतंत्र लिखने, बोलने और करने की स्वतंत्रता का हनन करने वाले शासकों ने इस शासन प्रणाली को ही धुंधला दिया है। शासक ही सोचेगा, शासक ही बोलेगा और शासक ही करेगा- ऐसी घोषणाओं के द्वारा शासक ने जनता को पंगु, अशक्त और निष्क्रिय बनाया है इसका खासतौर से मध्यवर्ग, कामकाजी प्रोफेशनल्स और युवा आबादी में गहरा असंतोष है। शायद यही वजह है कि आज मुश्किल से ही कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है, जिसकी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी हो। गौरतलब है कि शहरीकरण और इकनॉमिक ग्रोथ के साथ-साथ ऐसे लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। एक तरह से लोकतंत्र जैसी स्वस्थ और आदर्श शासन प्रणाली भी प्रश्नों के घेरे में है। अब आवश्यकता इस बात की भी है कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हो और मतदान के साथ-साथ नागरिक सजगता का भी विकास हो। लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने, चुनाव की खामियों को दूर करने एवं नये लीडर उभारने के प्रयास करने होंगे। आम जनता की सजगता नयी बनने वाली सरकार एवं नये सांसदों की नीतियां और नियत क्या है इस पर भी केन्द्रित हो। वोट देने के बाद हमारे शासक कर क्या रहे हैं, इस पर नजर रखे बिना सजगता संभव नहीं है। सोशल मीडिया में भीड़ है, वह तख्ता पलट तो कर सकती है लेकिन उसके बाद का काम नहीं कर सकती। लिहाजा मतदान पहला कदम है अंतिम नहीं। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिये जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी से सरकार बनें और सही तरीके से चले भी। अच्छे लोग राजनीति में रूचि नहीं रखते। नागरिक सजगता की कमी इसी समझदार वर्ग में भी कम नहीं है। लोकसभा में अपराधियों की बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। चुनाव आयोग पार्टियों को पंजीकृत तो कर सकता है लेकिन नियंत्रित नहीं। यह काम जागरूक नागरिक ही कर सकतें है अतः वे उठें और अपना कर्तव्य निभाएं। निष्क्रिय राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द होना चाहिए। लोकतंत्र की यह दुर्बलता है कि सांसदों-विधायकों का चुनाव अर्हता, गुणवत्ता एवं योग्यता के आधार पर न होकर, दल या संस्था के आधार पर होता है। इससे राजनीति स्वस्थ नहीं बन सकती और न ही राजनीति में स्वस्थ, योग्य एवं प्रतिभासंपन्न उम्मीदवारों का चयन होता है। सही व्यक्ति की खोज वर्तमान राजनीति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता इसलिये भी है ताकि लोकतंत्र को हांकने वाला निष्पक्ष हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजन हिताय का लक्ष्य लेकर चल सके। ऐसी व्यवस्था भी नियोजित की जानी चाहिए है जिसमें स्वतंत्र विचारों वाले जागरूक नागरिकों द्वारा हर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए। यह उन्हें अपनी चुनावी घोषणाओं या जीतने के बाद किए गए वायदों के प्रति उत्तरदायी बनाएगा। हमें ऐसे मंच तैयार करने चाहिए जो भारत के उन युवाओं, प्रफेशनल्स और ऊर्जावान नागरिकों को एक साथ लाएं और आपस में जुड़ने का अवसर दें, जो इस देश की तस्वीर बदलना तो चाहते हैं लेकिन ऐसा कर नहीं पाते क्योंकि उनके पास मंच नहीं है। भावी नेतृत्व को तैयार करने के लिए हमें उनकी ऊर्जा को सही चैनल देने की पहल करनी होगी।

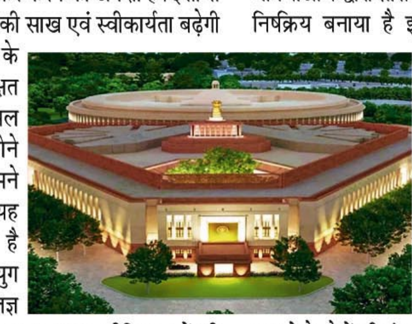

वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन, संभावनाओं एवं अवसरों से भरी है। व्यापक लोकतांत्रिक सुधारों, समग्र विकास, आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं, सही समन्वय एवं नयी लोकसभा के सदस्यों के आपसी संवाद की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल की पूर्णता तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

दृष्टि कोण

# चुनाव की पवित्रता और जहरीली वाणी

**लोकतंत्र** तथा चुनाव में बहुत गहरा सम्बन्ध है। लोकतांत्रिक प्रणाली में चुनाव पंचवर्षीय पर्व है। भारतीय संविधान अपने नागरिकों को निष्पक्ष एवं निर्भय होकर अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार देता है। इसी चुनाव से लोकतन्त्र मजबूत होता है। यही संविधान अपने नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी प्रदान करता है। यदि किसी नागरिक के अधिकारों का हनन हो रहा हो तो उसे सीमाओं में रहते हुए मर्यादित भाषा, वाणी एवं आचरण से अपने विचार रखने की स्वतन्त्रता है। ऐसा माना जाता है कि राजनीति में साम, दाम, दण्ड, भेद सब कुछ चलता है, लेकिन नागरिकता तथा न्याय की परिधि में ही सब कुछ शोभित होता है। जनता का प्रतिनिधित्व तथा देश को नेतृत्व प्रदान करने वाले नेताओं से आशा की जा सकती है कि उनका आचरण तथा व्यवहार अच्छा हो। उनका चरित्र अनुकरणीय एवं उदाहरणीय हो। वे कर्मठ, ईमानदार, चरित्रवान एवं सत्यनिष्ठ हों। उनकी भाषा सभ्य तथा वाणी मधुर हो। किसी भी कीमत पर चुनाव जीतना किसी भी व्यक्ति के लिए कोई अन्तिम उद्देश्य नहीं हो सकता। राजनीति साध्य है, साधन नहीं है। किसी भी राजनेता के लिए राजनीति अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने का साधन नहीं है, बल्कि यह गरीबों, दीन-दुखियों, पीड़ितों, वंचितों, शोषितों, उपेक्षितों तथा हाशिए पर रह रहे लोगों की सेवा का माध्यम है। विचार किया जाए तो भारतीय लोकतंत्र में मतदाता का स्थान सर्वोच्च है।

क्योंकि वह मत देने वाला 'दाता' है, जबकि नेता तो उसके वोट की उम्मीद कर जीतने की आशा रखता है। यहां पर मतदाता तथा उम्मीदवार को भी अपना स्थान पता होना चाहिए। नम्र और विनम्र होकर वोट मांगा जाता है, न कि दम्भ और घमंड में रौब दिखाने से समर्थन मिल सकता है। नेता को अनुकरणीय एवं उदाहरणीय होना चाहिए। जहां मतदाता अपने पसंदीदा उम्मीदवार से नम्र, विनम्र, सभ्य, सुशील, शिक्षित तथा व्यवहार कुशल होने की आशा रखता है, वहीं पर चुनावी मौसम में नेता कुछ भी बोलने तथा करने से परहेज नहीं करते। प्रतिद्वंद्वी लोग विपक्षी नेता की मानहानि, चरित्रहनन तथा उसके परिवार एवं पूर्वजों तक के चरित्र की भी चीरफाड़ कर देते हैं जो कि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मशहूर शायर बशीर बद्र का एक शे'र ऐसे मौके पर बहुत सटीक और शिक्षाप्रद है- 'दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी दोस्त बन जाएं तो शर्मिन्दा न हों।' यह भी सही है कि विभिन्न दलों के प्रत्याशी भी प्रतिष्ठित परिवारों से सम्बन्ध रखते हैं। पार्टियों द्वारा उम्मीदवारी के लिए चयन उनकी छवि एवं योग्यता के आधार पर ही होता है। सभी उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने भाषणों में मुद्दों तथा देश के विकास की बात करें, न कि अपनी वाणी से एक दूसरे पर व्यक्तिगत छींटाकशी करके आग के गोले दागें। यह देश के भविष्य, सभ्य समाज तथा आपसी सौहार्द, भाईचारे तथा सामाजिक सम्बन्धों की दृष्टि से अच्छा नहीं है। चुनावी मौसम में नेताओं की वाणी परस्पर आग के गोले बरसाती रहती है और जनता राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों का आनन्द लेती रहती है। चुनावों के दौरान नेता किसी भी कीमत पर चुनाव जीतने के लिए किसी भी घटिया तथा निम्न स्तर पर चले जाते हैं तथा भाषा, वाणी, मर्यादा, व्यवहार तथा आचरण सब कुछ भूल जाते हैं। यह भी विडम्बना है कि चुनाव जीतने के बाद यही लोग जीत के परिणाम से शुद्ध होकर जनता के लिए फिर से माननीय तथा सम्माननीय हो जाते हैं तथा आवश्यकता पडने पर राजनीतिक दूरियां मिटाकर एक दूसरे से हाथ मिला लेते हैं। जनता फिर से बिना किसी शर्त इन्हें पूर्व रूप में स्वीकार कर लेती है। धन्य है भारतीय लोकतान्त्रिक व्यवस्था। प्रतिष्ठित नेताओं के लिए अपनी सुविधानुसार पार्टी बदलना एक आम बात हो गई है। कोई भी पार्टी एक विचारधारा होती है, उसके कुछ सिद्धांत होते हैं। पार्टी के कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी निश्चित सिद्धान्तों का पालन करते हैं। अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की आड़ में जनता के हित तथा अपने चुनाव क्षेत्र एवं लोगों की उपेक्षा का बहाना लेकर अपनी मां रूपी पार्टी बदल लेते हैं। समझ नहीं आता कि वर्षों तक पार्टी विशेष में आस्था रखने, सेवा करने, पदाधिकारी रहने तथा सत्ता सुख भोगने के बाद एकदम से निष्ठुर होकर नेता ऐसा फैसला लेते हैं और नेताओं के समर्थक अवाक होकर मुंह ताकते रह जाते हैं। यह कैसा नैतिक आचरण है? यह कैसा चरित्र है? यह सही है कि सभी अपने आचार, व्यवहार, संस्कार तथा आचरण के लिए स्वतन्त्र हैं, लेकिन ऐसी स्थिति में एक आम मतदाता तथा निष्ठावान कार्यकर्ता तो ठगे का ठगा ही रह जाता है। चुनाव एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हम संवैधानिक मूल्यों, नियमों, सिद्धान्तों तथा प्रक्रियाओं में आस्था रखते हुए पांच वर्षों के उपरान्त चुनावी यज्ञ में प्राप्त अमृत से देश की सेवा करने के लिए राजा नहीं, बल्कि सेवक चुनते हैं। चुनाव कोई धींगामुश्ती का खेल नहीं है। यह समाज में कोई नफरत फैलाने का माध्यम नहीं है। जनता नेताओं की भाषा, वाणी, चरित्र तथा आचरण को बहुत बारीकी से जांचती है। सामान्यतः सामाजिक तथा लोकाचार की व्यावहारिक दृष्टि से वाणी और भाषा ऐसी हो जिससे शीतलता मिले, व्यवहार ऐसा हो जिससे विनम्रता परिलक्षित हो तथा आचरण ऐसा हो जो सबके लिए उदाहरणीय हो।

कुछ अलग

# गॉड कॉम्पलेक्स...

**जैसे-जैसे** व्यक्ति संसार की अधम गहराइयों में नीचे उतरता जाता है, उसके हृदय में बैठा हिरण्यकश्यप किसी बंदर की भांति उछल-कूद मचाता हुआ और गहरे रसातल में उतरने के लिए लालायित हो उठता है। अंग्रेजी में इसे गॉड कॉम्पलेक्स कहते हैं। पर मुझे लगता है कि हिंदी में इसका सही अनुवाद हिरण्यकश्यप मनोविकार हो सकता है। इस विकार से पीड़ित व्यक्ति को महसूस होने लगता है कि उसे संसार में विशेष प्रयोजन से भेजा गया है। चाहे वह स्वयं लॉजिकल हो या न हो, पर उसे लगता है कि वह अपनी मां के गर्भ से या बायोलॉजिकली पैदा नहीं हुआ है, बल्कि अवतरित हुआ है। उसमें अपार व्यक्तिगत क्षमता से सम्पन्न अवतारी पुरुष होने की भावना उत्तरोत्तर बलवती होती जाती है। उसे लगता है कि उसे तमाम तरह के विशेषाधिकार प्राप्त हैं। वह हर कार्य करने में निष्णात है। इसे सिद्ध करने के लिए वह न केवल अगड़म-बगड़म बोलने लगता है, बल्कि हाथ में सत्ता या ताकत होने पर उसका जम कर दुरुपयोग भी करता है। ऐसा व्यक्ति अपने विचारों में बेहद हठधर्मी हो जाता है। वह अपनी निजी राय या विचारों को इस तरह प्रकट करता है मानो वे निर्विवाद रूप से सही हों। कभी वह अपने आपको ईश्वर बताने लगता है तो कभी अपनी नस्ल को दुनिया की सर्वोत्तम नस्ल बताते हुए लाखों लोगों को मौत के घाट उतार देता है। कभी अपनी संस्कृति को दुनिया की सर्वोत्कृष्ट संस्कृति बताते हुए लोगों में राष्ट्रोन्माद पैदा करता है। कभी वह नाले की गैस से चाय बनाता है, तो कभी कहने लगता है कि उसने हिमालय पर जो तपस्या की थी, उसी के परिणामस्वरूप आज दुनिया में उसका डंका बज रहा है। इतना ही नहीं, वह किसी वैश्विक सम्मेलन में कांधे पर गांडीव बांधे, हाथ में धनुष लेकर घोषणा कर सकता है कि त्रेता युग में अयोध्या के जिस राजकुमार राम ने वनवास झेला था, वह घोर कलियुग में उसी राम के अवतार में संसार का उद्धार करने के लिए धरा पर उतरा है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की अपार सफलताओं के बावजूद फिलवक्त यह मनोविकार लाइलाज है। इसका एक कारण, इस रोग से पीड़ित व्यक्तियों पर शोध की कोई संभावना न होना भी सकता है। अब पुतिन या किम जोंग से कौन कहेगा कि प्रभु आपके खोपड़े में जो भयंकर केमिकल लोचा है, उसका न केवल इलाज करना आवश्यक है, बल्कि इलाज ढूंढने से पहले उस पर शोध करना भी जरूरी है। इसलिए इसे अब तक मानसिक विकारों के निदान मैनुअल में शामिल नहीं किया जा सका है। इस विकार का वैज्ञानिक नाम नार्सिसिस्टिक पर्सनैलिटी डिसऑर्डर (एनपीडी) है। यह उन्माद या श्रेष्ठता की भावना से जुड़ा भी हो सकता है। राजनीति के अलावा धर्म के क्षेत्र में यह मनोविकार सिर चढ़ कर बोलता है। भगवान रजनीश, कृपालु महराज, बाबा रामदेव, राम रहीम, आसाराम, बागेश्वर महाराज जैसे कई नाम चिंतन के लिए उपलब्ध हैं। कला, साहित्य, खेल-कूद जैसे अन्य क्षेत्र भी इस मनोविकार से अछूते नहीं। व्यक्ति के ऊंचा उठने की अधिकतम सीमा निर्धारित है, लेकिन हिरण्यकश्यप मनोविकार से पीड़ित व्यक्ति के गिरने की कोई सीमा नहीं। ऊंचा उठने पर व्यक्ति को अधिकतम बुद्ध की संज्ञा दी जा सकती है। उसे महा या परम बुद्ध की उपाधियों से विभूषित नहीं किया जा सकता। यहां तक कि भौतिक दुनिया में भी सफलताएं अर्जित करने की अधिकतम सीमा निर्धारित है। शिखर पर बने रहने के लिए उसे और कठिन परिश्रम करना पड़ता है। इसके बावजूद समय के साथ उसे तल पर आना ही पड़ता है। पर जो मजा नीचे गिरने में है, वह छज्जू के चौबारे पर भी नहीं मिलता।

देश दुनीया से

# भारत में हिंदू-मुस्लिम आबादी का सच

भाजपा के मुख्य प्रचारक स्वयं प्रधानमंत्री मोदी हैं जिनका पूरा नैरेटिव इस झूठ के आसपास बुना गया है कि अगर विपक्षी इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो वह सारी सुविधाएं और लाभ केवल मुसलमानों को देगा। हर चीज पर मुसलमानों का पहला हक होगा और संविधान में इस तरह के बदलाव किए जाएंगे जिससे हिंदू इस देश के दूसरे दर्जे के नागरिक बन जाएंगे। हिंदुओं में यह डर पैदा किया जा रहा है कि देश में मुसलमान सारे विशेषाधिकार हासिल कर लेंगे। हाल में प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद ने इसी प्रचार अभियान के अंतर्गत एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें बताया गया है कि 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी में करीब 8 प्रतिशत की कमी आई, वहीं मुसलमानों की आबादी में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

**चुनावी** मौसम जैसे-जैसे समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे समाज को बांटने वाला प्रचार भी अपने चरम पर पहुंच रहा है। भाजपा के मुख्य प्रचारक स्वयं प्रधानमंत्री मोदी हैं जिनका पूरा नैरेटिव इस झूठ के आसपास बुना गया है कि अगर विपक्षी इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो वह सारी सुविधाएं और लाभ केवल मुसलमानों को देगा। हर चीज पर मुसलमानों का पहला हक होगा और संविधान में इस तरह के बदलाव किए जाएंगे जिससे हिंदू इस देश के दूसरे दर्जे के नागरिक बन जाएंगे। हिंदुओं में यह डर पैदा किया जा रहा है कि देश में मुसलमान सारे विशेषाधिकार हासिल कर लेंगे। हाल में प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद ने इसी प्रचार अभियान के अंतर्गत एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें बताया गया है कि 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी में करीब 8 प्रतिशत की कमी आई, वहीं मुसलमानों की आबादी में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, 1950 में हिंदू कुल आबादी का 84 प्रतिशत थे, जो 2015 में घटकर 78 प्रतिशत रह गए। इसी अवधि में, मुसलमानों, ईसाइयों, बौद्धों और सिक्खों की आबादी में बढ़ोत्तरी हुई, जबकि जैनियों और पारसियों का प्रतिशत घटा। प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद क्या है? इसका गठन 2017 में हुआ था और इसका काम है आर्थिक मसलों पर शोध कर प्रधानमंत्री को सलाह देना। इसके शोध का एक नमूना कुछ साल पहले सामने आया था जब उसके मुखिया बिबेक डेबरॉय ने परिषद के एक अध्ययन का हवाला देते हुए बताया था कि लिखित संविधानों की औसत उम्र केवल 17 साल होती है। उन्होंने भारत के वर्तमान संविधान को औपनिवेशिक विरासत बताते हुए कहा था कि भारत का वर्तमान संविधान मुख्यतः गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 पर आधारित है और इस अर्थ में वह भी एक औपनिवेशिक विरासत है। आम चुनाव के दौरान मुसलमानों के खिलाफ दुष्प्रचार को बढ़ावा देने वाला यह विचित्र अध्ययन जारी किया गया है। जिन तीन शोधकर्ताओं ने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, उन्होंने आंकड़ों के विश्लेषण के सभी मानकों का उल्लंघन किया है। पहली बात तो यह कि जनसांख्यिकीय अध्ययन जनगणना पर आधारित होते हैं, मगर यह अध्ययन एक संस्था एसोसिएशन ऑफ रिलीजियस डाटा आर्काइव (एआरडीए) द्वारा 23 लाख लोगों के सर्वेक्षण पर आधारित है। तेईस लाख हमारी कुल आबादी का बहुत छोटा सा हिस्सा है। जनगणना के आंकड़े अधिक विश्वसनीय और समग्र होते हैं और आबादी में वृद्धि के विभिन्न पहलुओं को सामने लाते हैं। यह तो सत्ताधारी दल को ही पता है कि वर्ष 2021 की दस साला जनगणना क्यों नहीं की गई। इन शोधकर्ताओं ने एक अनजान संस्था के सर्वेक्षण के आंकड़ों का उपयोग किया है, कहीं अधिक विश्वसनीय जनगणना के आंकड़ों का नहीं। यह अध्ययन 1950 के आंकड़ों की तुलना 2015 के आंकड़ों से करता है, जो अपने आप में मनमाना है। मीडिया और सांप्रदायिक संगठन इस अध्ययन का इस्तेमाल समाज को बांटने वाले प्रचार को और मजबूती देने के लिए कर रहे हैं। यह अध्ययन इस अफवाह को बढ़ावा देता है कि मुसलमान ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं। इस दुष्प्रचार को हवा देने में हमारे प्रधानमन्त्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने दंगा पीड़ित मुसलमानों के शरणार्थी शिविरों को बच्चे पैदा करने वाले कारखाने बताया था। उन्होंने इन शिविरों को बंद कर दिया था। अब वे कह रहे हैं कि कांग्रेस हिन्दुओं से मंगलसूत्र और भैंसें छीनकर उन लोगों को दे देगी जो ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं। सच क्या है? कौनसा समुदाय कितने बच्चे पैदा करता है, इसे मापने का सबसे अच्छा तरीका है 'टोटल फर्टिलिटी रेट' (टीएफआर), जिसे हिंदी में कुल प्रजनन दर कहते हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार लगभग सभी समुदायों में टीएफआर घट रही है। वर्ष 1992-93 में यह हिन्दुओं के मामले में 3.3 और मुसलमानों के मामले में 4.41 थी। 2019-2021 में यह हिन्दुओं के मामले में 1.94 और मुसलमानों के मामले में 2.36 हुई। इस प्रकार इस अवधि में हिन्दुओं की टीएफआर में 41.22 प्रतिशत की कमी आई और मुसलमानों की टीएफआर में 46.49 प्रतिशत की। साफ तौर पर हिन्दुओं की तुलना में मुसलमानों की टीएफआर में अधिक गिरावट आई है। इससे पता चलता है कि अगर मुसलमानों की टीएफआर में गिरावट जारी रही तो वह जल्दी ही हिन्दुओं की टीएफआर के करीब हो जाएगी। एक मुद्दा यह भी है कि क्या प्रजनन दर का संबंध धर्म से है या अन्य कारक उसे प्रभावित करते हैं? सांप्रदायिक राष्ट्रवादी दिन-रात यह कहते रहते हैं कि मुसलमान जानबूझकर अपनी आबादी बढ़ा रहे हैं, ताकि वे भारत में बहुसंख्यक बन जाएं और देश को गजवा-ए-हिंद घोषित कर सकें। यह एक बहुत बड़ा झूठ है कि हिन्दू देश में अल्पसंख्यक बन जाएंगे। पहली बात तो यह है कि किसी परिवार में कितने बच्चे होंगे, यह मुख्यतः दो कारकों से निर्धारित होता है। पहला, परिवार की गरीबी का स्तर और दूसरा, संबंधित समुदाय, विशेषकर उसकी महिलाओं की शिक्षा का स्तर। अगर हम केरल, कश्मीर और कर्नाटक में मुस्लिम महिलाओं के टीएफआर की तुलना बिहार, राजस्थान और मध्यप्रदेश की हिन्दू महिलाओं के टीएफआर से करें तो साफ हो जाएगा कि हिन्दुओं का टीएफआर मुसलमानों से अधिक है। शाश्वता घोष द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार जनगणना 2011 एवं जनगणना 2001 में हिंदुओं और मुसलमानों के राज्य स्तर पर टीएफआर में अंतर से यह स्पष्ट हो जाता है कि हिन्दुओं और मुसलमानों की प्रजनन दरें एक-दूसरे के नजदीक आ रही हैं।हां, इसमें क्षेत्रीय विभिन्नताएं हैं, क्योंकि विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के धार्मिक समुदाय सोच में बदलाव के अलग-अलग स्तरों पर हैं। पूर्व चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी की पुस्तक 'द पापुलेशन मिथ : इस्लाम, फैमिली प्लानिंग एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया' भी इस मसले पर प्रकाश डालती है। इसके अनुसार भारत के 29 में से 24 राज्यों में टीएफआर 2.179 के नजदीक आ रही है। अगर यह 2.1 पर आ जाए तो आबादी स्थिर हो जाएगी। इन विश्वसनीय अध्ययनों के बाद भी, सांप्रदायिक तत्व वही राग अलाप रहे हैं। मुसलमानों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत से मिला था। इसमें एसवाई कुरैशी भी शामिल थे। मुलाकात के दौरान कुरैशी ने अपनी उस किताब की एक प्रति भागवत को भेंट की, जो संघ परिवार द्वारा किए जा रहे प्रचार की पोल खोलती है, मगर इसके बावजूद कुछ सप्ताह बाद, भागवत ने एक बयान जारी कर विभिन्न समुदायों की आबादी में संतुलन कायम करने की जरूरत पर जोर दिया।

आप का नजरीया

# टी-20 क्रिकेट में बदलाव की दरकार, भारत से हो शुरुआत

**एक** बेहद नीरस और उबाऊ फाइनल मुकाबले के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 16वां संस्करण समाप्त हो गया। बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या आईपीएल के मौजूदा फॉर्मेट को जारी रखा जाना चाहिए? क्योंकि क्रिकेट प्रेमियों की रुचि 20-20 ओवर के फॉर्मेट से कम होती जा रही है। मौजूदा आईपीएल टूर्नामेंट दो महीने से अधिक समय तक चला तो यह अपनी ओर बहुत अधिक लोगों को आकर्षित नहीं कर पाया। विगत चार से अधिक शताब्दियों से क्रिकेट ने कई बड़े बदलाव देखे हैं। टी-20 फॉर्मेट में बदलाव की शुरुआत अब भारत की भूमि से की जा सकती है। टी-20 क्रिकेट को करीब 21 साल हो चुके हैं। इसकी शुरुआत भी क्रिकेट की जन्मभूमि इंग्लैंड से हुई है। वहां 13 जून 2003 को पहला टी-20 मैच खेला गया था, जिसे भरपूर दर्शक मिले थे। धीरे-धीरे यह पूरे क्रिकेट जगत में फैल गया और वर्ष 2007 में टी-20 का वर्ल्ड कप खेल लिया गया, जो भारत ने जीता। अगले ही साल 2008 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल की शुरुआत कर दी। हालांकि, अब टी-10 क्रिकेट भी कई क्लब खेल रहे हैं। आईपीएल को भी अपने 18वें संस्करण को और रोमांचकारी बनाने की जरूरत है। बीसीसीआई टी-20 को टी-12 में बदलकर नई राह दिखा सकता है। इस फॉर्मेट में 11-11 खिलाड़ी ही हों। एक बॉलर अधिकतम 3 ओवर फेंके। एक ओवर में तीन बाउंसर फेंकने की परमिशन हो। बाउंड्री को थोड़ा छोटा किया जाए। बाकी नियम यथावत रखे जाएं। इससे एक तो समय की बचत होगी, दूसरा एक दिन में दो से अधिक मैच कराए जा सकेंगे। क्रिकेट का रोमांच बढ़ेगा। वनडे क्रिकेट के फॉर्मेट में बदलाव का समय भी आ गया है। मौजूदा 50 ओवर के वनडे मैच को 30 ओवर तक सीमित किया जाना चाहिए। एक गेंदबाज अधिकतम 6 ओवर फेंके। रनआउट के एक नियम में बदलाव हो, जिसमें बल्लेबाज के शॉट मारने पर बॉल इत्तेफाक से गेंदबाज की उंगलियों या पैर को छूकर विकेट में लगती है और दूसरे छोर का बल्लेबाज आउट हो जाता है। यह नियम क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से बाहर किया जाए। उस समय बल्ले के आकार और रूप को लेकर कोई पाबंदी नहीं थी, लेकिन 30 साल बाद साल 1774 में बल्ले को सीधा कर दिया गया। बल्ले की चौड़ाई 4 इंच कर दी गई। एलबीडब्ल्यू का नियम लागू कर दिया गया। तभी तीन स्टांप की शुरुआत हुई और हवा में गेंद को लहराकर फेंकने का चलन शुरू हुआ। टेस्ट मैच क्रिकेट की शुरुआत साल 1877 में हुई। उस समय चार दिनों में मैच समाप्त हो जाता था और हर ओवर में चार गेंद होती थीं, साल 1889 में एक ओवर में 5 गेंदें कर दी गईं, लेकिन साल 1990 में 6 गेंदों का ओवर होने लगा, जो अब तक चल रहा है। टेस्ट मैच को भी पांच दिन का कर दिया गया। 19वीं सदी में व्हाइड बॉल का नियम आया। गेंद का सटीक व्यास आया। हाथ के दस्ताने, हेलमेट का प्रयोग शुरू हुआ। बाउंड्री की शुरुआत हुई। ओवर आर्म बॉलिंग को जायज ठहराया गया।

# देश शरीयत से नहीं, संविधान से चलेगा : योगी

## गोरखपुर के सांसद व प्रत्याशी रविकिशन के पक्ष में मुख्यमंत्री ने की सहजनवा में जनसभा

**गोरखपुर ( हिंस )।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस, सपा समेत इंडी गठबंधन पर हमला जारी रखते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी जहां मोदी जी के नेतृत्व में विकास, गरीब कल्याण, देश को आत्मनिर्भर ओर विकसित बनाने के लिए कार्य कर रही है वहीं सपा और कांग्रेस भारत के विभाजन के लिए कुत्सित षड्यंत्र कर रही है। इनका घोषणा पत्र कहता है कि इन्हें अवसर मिला तो ये पार्टियां देश के साथ गद्दारी करेंगी, देश को धोखा देंगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि देश ने देखा है कि दो लड़कों की जोड़ी जब भी मिली, अनर्थ ही हुआ। सीएम योगी बुधवार को गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद व प्रत्याशी रविकिशन शुक्ल के पक्ष में सहजनवा में आयोजित जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में भाजपा की वर्तमान सरकार और केंद्र में पूर्व की कांग्रेस और यूपी में पूर्व की सपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार और यूपी में सपा की सरकार थी तो अयोध्या में राम मंदिर और काशी में संकटमोचन मंदिर में आतंकी हमला हुआ था। आज ये लोग फिर उसी मंशा के साथ आकर देश के सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करना चाहते हैं। कांग्रेस-सपा की मंशा पर्सनल लॉ लागू करने की है। सीएम योगी ने कहा कि पर्सनल लॉ लागू करने का मतलब तालिबानी शासन है। ये लोग मोदी सरकार में खत्म की गई तीन तलाक की कुप्रथा को फिर से लागू करना चाहते हैं। पर्सनल लॉ लागू हुआ तो बेटी स्कूल नहीं जा सकेगी, महिला बाजार या ऑफिस नहीं जा सकेगी। घर में बुर्का पहनकर दुबककर रहना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा यह घोषणा कर रही है कि यह देश बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान से ही चलेगा। हम देश को शरीयत से नहीं चलने देंगे। सीएम योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन यानी कांग्रेस और सपा की मंशा वरासत टैक्स लगाने की है। यह एक प्रकार से वही जजिया कर है जिसे क्रूर मुगल बादशाह औरंगजेब ने हिंदुओं पर लगाया था। औरंगजेब इतना क्रूर शासक था कि उसने अपने भाई की हत्या कर दी थी, अपने बाप को जेल में डालकर एक-एक बूंद पानी के लिए तरसा दिया था। औरंगजेब की क्रूरता की दास्तान के दस्तावेज कोई भी पटना लाइब्रेरी में जाकर देख सकता है। सीएम ने कहा कि औरंगजेब के बाप शाहजहां ने कहा था कि औरंगजेब जैसा पुत्र किसी के घर न पैदा हो। इसने अपने बाप को जीते जी पानी के लिए तरसा दिया। इससे अच्छे तो हिंदू हैं जो जीते जी अपने माता-पिता का ख्याल तो रखते ही हैं, मरने के बाद भी श्राद्ध और तर्पण से भी उन्हें सम्मान देते हैं। इसी क्रूर औरंगजेब ने जजिया कर लगाया था। जो हिंदू, मुस्लिम धर्म कबूल नहीं करता था उसे जजिया कर देना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में फिर से किसी औरंगजेब को पैदा नहीं होने देना है। देश के लोगों को मिलकर कांग्रेस और सपा की साजिश को विफर करना है। सीएम योगी ने कहा कि देश की जनता ने जब नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुना तो बड़े-बड़े विकास कार्य हुए। सबको सुरक्षा मिली। सबको सम्मान मिला। देश का दुनिया में सम्मान बढ़ा। गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव सबको मिला। विरासत के संरक्षण के साथ आस्था का सम्मान करते हुए अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण भी हुआ। यह सब जनता जनार्दन के वोट के कारण ही हुआ। सही जगह वोट पड़ा तो देश से आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त हो गया। जबकि गलत वोट पड़ने पर देश में आतंकी विस्फोट और सुरक्षा को खतरा रहता है। मोदी का चुनाव विकास, गरीब कल्याण, सुरक्षा और सम्मान की गारंटी है। भीषण तपती दोपहरी में जुटी भारी भीड़ से आत्मीय रिश्ता मजबूत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हम तो आपके ही परिवार के हिस्से हैं। उन्होंने सबको आश्वस्त करते हुए कहा कि आज जो पसीना आप भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बहा रहे हैं, उसका कर्ज समग्र विकास के रूप में लौटाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि एक जून को सात चरणों में हो रहे लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान होना है। पूरे देश में उन्हें अलग-अलग चरणों में जाने का अवसर मिला। मोदी जी की जो लहर है, वह अब सूनामी बन चुकी है। पूरे देश में एक ही आवाज है, फिर एक बार मोदी सरकार। अबकी बार चार सौ पार। सीएम ने कहा कि कुछ लोग पूछते हैं कि चार सौ पार कैसे होगा तो जनता-जनार्दन जवाब देती है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर के निर्माण और रामलला के विराजमान होने का उल्लेख करने के साथ कहा कि आज की अयोध्या में ऐसा लगता है जैसा प्रभु राम साक्षात विराजमान होकर आशीर्वाद बरसा रहे हों। मंदिर निर्माण तो मोदी जी के नेतृत्व में हुआ लेकिन इस पुण्य के भागीदार आप सभी हैं जिन्होंने मोदी-योगी को सत्ता सौंपी। सीएम ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण लोक के साथ परलोक भी सुधारने का माध्यम बना है। आप अपनी वर्तमान और भावी पीढ़ी से कह सकेंगे कि हमने मंदिर बनते देखा। यही नहीं जब परलोक में पूर्वजों के सामने होंगे तो कह सकेंगे कि देखिए मंदिर निर्माण कराकर आपके संकल्पों की पूर्ति करके आए हैं। सीएम योगी ने कहा कि पांच सौ वर्षों तक एक ही नारा लगता था रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। मंदिर आंदोलन में सा? तीन लाख हिंदू बलिदान हुए। आजादी के बाद कांग्रेस, सपा और बसपा ने मंदिर के मार्ग में बाधाएं खड़ी कीं। और आज जब मंदिर बन गया तो अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। कोई कहता है कि मंदिर बेकार बना है तो कोई कहता है कि भारत के अंदर मंदिर नहीं बनना चाहिए था। मंदिर बेकार नहीं बना है बल्कि मंदिर को बेकार बताने वालों की बुद्धि बेकार हो गई है तभी ये मंदिर निर्माण पर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। श्रीराम तो परमपिता परमेश्वर हैं। तभी देश की जनता कहती है कि जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं।

## वोट देते समय ज्ञानवापी के मुद्दे को ध्यान में रखें मुस्लिम मतदाता : मौलाना नोमानी

**वाराणसी ( हिंस )।** वाराणसी के शहर ए मुफ्ती और ज्ञानवापी मस्जिद के मुख्य इमाम मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी ने वाराणसी लोकसभा सीट के मुस्लिम मतदाताओं से कहा कि वह वोट देते समय ज्ञानवापी के मुद्दे को भी ध्यान में रखें। मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी ने एक बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश में हो रहे लोकसभा चुनाव में एक पक्ष की ओर से जब राम मंदिर के नाम पर वोट मांगा जा रहा है तो मुस्लिम फिर क्यों नहीं अपने मजहबी इमारत के बारे में सोचेगा। ज्ञानवापी मस्जिद के बारे में सोचेगा। ज्ञानवापी के विषय पर उन्होंने कहा कि हम अपने ज्ञानवापी मस्जिद के बारे में सोचते हैं और उसकी हिफाजत के लिए वोट के माध्यम से अपने बारे में सोचने वाले प्रत्याशी को जीताने के पक्षधर है। ज्ञानवापी मस्जिद के बारे में बात करने वाले के साथ हैं। मतदान की अपील करते हुए मौलाना नोमानी ने कहा कि वैसे तो लोकतंत्र में हर मतदाता स्वतंत्र है। फिर भी वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद एक अहम मुद्दा है, जिसके लिए हमारे मतदाताओं को वोट देना जरूरी है। वाराणसी में शत प्रतिशत मतदान के लिए अपने घरों से निकले और मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

## हिंदी पत्रकारिता दिवस : हिंदी पत्रकारिता को लेकर नई पीढ़ी से होगा संवाद

**बीकानेर ( हिंस )।** एडिटर एसोसिएशन ऑफ न्यूज पोर्टल्स तथा एसडीएम जिला राजकीय चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान मे गुरुवार को विश्व हिंदी पत्रकारिता के दिवस पर जिले से प्रिंट, इलैक्ट्रॉनिक तथा न्यूज पोर्टल्स के पत्रकारों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन होगा। संगठन अध्यक्ष आनंद आचार्य ने बताया कि भागदौड़ भरे व्यस्त कार्यक्रमों के दौरान पत्रकार अपने स्वास्थ्य का रेगुलर चेकअप नहीं करवा पाते। इसके मद्देनजर यह पहल की गई है। जिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष ने बताया कि सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य कैंप की पूर्ण तैयारियां कर ली गयी हैं। विशेषज्ञ डॉक्टर्स ओर नर्सिंग स्टॉफ की ड्यूटी लगाई है। संगठन के संरक्षक नीरज जोशी ने बताया कि कैंप मे पत्रकारों के लिए बीपी, शूगर, एलएफटी, आरएफटी, लिपिड प्रोफाइल, सीबीसी, ईसीजी और एक्स-रे सहित कुल 80 प्रकार की जांचें नि:शुल्क करवा सकते हैं। सचिव विनय थानवी ने गुरुवार सुबह 8 से 10 आयोजित होने वाले इस चिकित्सा एवं जांच शिविर में अधिक से अधिक पत्रकारों को लाभ लेने का आह्वान किया गया है। शिविर के दौरान लोटस डेयरी की ओर से शीतल पेय छाछ, लस्सी, कोल्ड कॉफी नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। शिविर के बाद सवा दस बजे नई पीढ़ी को हिंदी पत्रकारिता से जागरूक करने के उद्देश्य से विंग्स इंटरनेशनल स्कूल मे संचालित ग्रीष्म कालीन शिविर के प्रतिभागियों के बीच हिंदी पत्रकारिता के महत्व को लेकर संबोधन व प्रश्नोत्तरी का आयोजन होगा।

## छात्र हर्ष राज की हत्या के मामले में हो कठोरतम कार्रवाई : अभाविप

**पटना ( हिंस )।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय से संबद्ध बिहार नेशनल कॉलेज में अध्ययनरत छात्र हर्ष राज की वामपंथी छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के गुंडे द्वारा पीटकर हत्या किए जाने के कृत्य की निंदा करती है। साथ ही इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर संलिप्त सभी दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की मांग करती है। अभाविप ने कहा कि देश में निरंतर ऐसी घटनाओं से यह स्पष्ट है कि वामपंथी छात्र संगठन किस प्रकार से दुर्दांत गुंडों का आश्रय बने हुए हैं। हर्ष राज की हत्या के विरोध में विद्यार्थी परिषद ने बिहार के विभिन्न जिलों में प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की है। आइसा तथा एसएफआई जैसे वामपंथी छात्र संगठनों की शैक्षिक माहौल को दूषित बनाने में प्रमुख भूमिका लगातार सामने आ रही है। आइसा के पदाधिकारियों द्वारा इस घटना को लेकर चंदन की प्राथमिक सदस्यता रद्द करने की बात सामने आई है लेकिन जिस कुत्सित मानसिकता को लेकर कार्यकर्ता ने हत्या की ऐसी मानसिकता और विचार देने का कार्य तेजी से इन वामपंथी संगठनों द्वारा ही किया जा रहा है। ऐसे में किसी एक की प्राथमिक सदस्यता रद्द करने से ऐसी गतिविधियों पर रोक नहीं लगने वाली है, बल्कि ऐसे छात्र संगठनों पर भी लगाम लगाए जाने की आवश्यकता है। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि पटना विश्वविद्यालय परिवार के छात्र की इस निर्ममता के साथ हत्या किए जाने का कृत्य बेहद शर्मनाक है। अभाविप इस प्रकरण में संलिप्त आइसा छात्र संगठन के कार्यकर्ता के विरुद्ध कठोरमत कार्रवाई करने की मांग करती है। वामपंथी छात्र संगठनों द्वारा केरल से लेकर बिहार तक इस तरह के कई प्रकरण सामने आ रहे हैं।

## जब बत्ती भभकती है तब लोग समझ जाते हैं कि लालटेन बुझने वाली है : राजनाथ सिंह

**पटना ( हिंस )।** बिहार में काराकाट लोकसभा क्षेत्र से राजग उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में बुधवार को चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राजद की लालटेन कितनी रोशनी देगी। ज्यादा से ज्यादा एक कमरे में रोशनी दे सकती है। लालटेन का तेल अब समाप्त हो रहा है। जब बत्ती भभकती है तब लोग समझ जाते हैं कि लालटेन बुझने वाली है। राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने 52 वर्षों तक हुकूमत की। इसके बाद भी भारत को जहां ले जाना चाहिए था नहीं ले जा सकी। आज भारत दुनिया के मंचों पर बोलता है तो दुनिया कान खोल कर सुनती है। ये हैसियत बनी है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे कम यदि महंगाई है तो वह भारत में है। खाद्य महंगाई सबसे कम है। हमसे अधिक महंगाई अमेरिका में है। पाकिस्तान और श्रीलंका की महंगाई दर तो काफी अधिक है। उन्होंने महंगाई दर के आंकड़े भी जारी किए। रक्षा मंत्री ने कहा कि आप हमारी बात को काट सकते हैं तो काट दीजिए। गलती होगी तो स्वीकार कर लूंगा। हमलोगों ने जो कहा वो किया। धारा 370 खत्म करने की बात कही वो करके दिखाया। भारत में राम राज्य का आगाज होकर रहेगा। जिस दिन लोगों को अपने कर्तव्य का बोध हो जाएगा उसी दिन मान लूंगा कि भारत में राम राज्य आ गया। हम धर्म की राजनीति नहीं, बल्कि इंसाफ और इंसानियत की करते हैं। किसी धर्म के लोगों की मां बहन बेटी हमारी भी मां बहन बेटी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम सत्ता में हैं लेकिन शासक के रूप में नहीं, बल्कि सेवक के रूप में काम करते हैं। दूसरे दल के लोग शासक बन जाते हैं। आज भारत की ताकत यह कि सीमा के इस पार मारते ही हैं, जरूरत पड़ी तो सीमा के उस पार भी जाकर मार सकते हैं। शादी-ब्याह रिश्ता जाति के आधार पर होती है। कोई दूसरी जगह भी कर लेता है, तो कोई आपत्ति नहीं लेकिन राजनीति देश के लिए होती है। आप सभी देश के लिए वोट दें। साथ ही कहा कि अब देश में आतंकवादी घटनाएं न के बराबर होती हैं। सब बंद है।

## गृहमंत्री अमित शाह ने नारद राय को भाजपा में कराया शामिल

**बलिया ( हिंस )।** बलिया लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी नीरज शेखर के समर्थन में बुधवार को आयोजित चुनावी जनसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने सपा छोड़कर आए पूर्व मंत्री नारद राय को खास तवज्जो दी। उन्होंने नारद राय को भाजपा में शामिल कराते हुए उनकी पीठ थपथपाई। पूर्व मंत्री नारद राय अपने हजारों समर्थकों के साथ जनसभा स्थल पर पहुंचे। गृहमंत्री अमित शाह के हेलीकॉप्टर तय समय से आधा घंटा पहले ही माल्देपुर में उतर गया। हेलीकॉप्टर से उतर कर गृहमंत्री सीधे मंच पर पहुंचे और माइक संभाल लिया। उन्होंने अपने भाषण में देश-प्रदेश और बलिया में हुए विकास कार्यों को गिनाते हुए लोगों को उनके वोट की कीमत बताई।

## राजस्थान में हीट वेव प्रबंधन की कमान संभाली सीएम भजनलाल ने

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। मरूस्थलीय जिलों के अलावा कई संभागीय मुख्यालयों पर पारा 50 डिग्री सेल्सियस केआसपास चल रहा है। रात और दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चुनावी व्यस्तताओं के बावजूद अपनी दूरदर्शिता की बदौलत शासन-प्रशासन को चुस्त-दुरूस्त कर स्पष्ट निर्देश दिए कि हीट-वेव प्रबंधन उनकी प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। मुख्यमंत्री ने पूर्व में ही संभागीय आयुक्त और जिला कलक्टर से लेकर एसडीएम तकऔर चिकित्सा, पेयजल सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारियों के अवकाश पर रोक लगाते हुए उन्हें लगातार फील्ड में रहने के निर्देश दिए गए। जिलों के सभी अस्पतालों और डिसपेंसरियों में हीट वेव से संबंधित दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ इलाज के पुख्ता प्रबंध किए गए। अस्पतालों में लू-तापघात से ग्रसित मरीजों के लिए डेडिकेटेड वार्ड स्थापित किए गए। मरूस्थलीय क्षेत्र की नहरों और जलभंडारण स्त्रोतों में जलापूर्ति निर्बाध रूप से जारी है, जिससे राज्य में पेयजल और पशुचारे की आपूर्ति सुचारू बनी हुई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेशभर में पशु-पक्षी संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सभी सरकारी कार्यालयों में पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री का यह आह्वान जनआंदोलन बन चुका है और अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं और आमजन इसके लिए आगे आ गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के पश्चात मनरेगा श्रमिकों के कार्य समय को परिवर्तित किया गया है। इससे लाखों श्रमिक परिवारों को राहत मिली है। औद्योगिक स्थलों, धार्मिक एवं पर्यटन केंद्रों, भीड़भाड़ वाले स्थानों जैसे बस स्टेंड, रेलवे स्टेशन, रेलवे फाटक के आसपास छाया-पानी की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में इन सभी व्यवस्थाओं की पड़ताल करने और इन्हें और अधिक मुस्तैद करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में सभी जिलों के प्रभारी सचिव दो दिनों से अपने प्रभार वाले जिलों में हैं। ये हीट वेव प्रबंधन की बारीकी से मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अधिकारियों की सक्रियता के आकलन के साथ अस्पतालों, गोशालाओं आदि का निरीक्षण कर रहे हैं। सभी जिलों के दौरों की रिपोर्ट का 31 मई को खुद मुख्यमंत्री आकलन करेंगे।

## झूठ-भ्रम फैलाने वाले चार जून के बाद मटन पार्टी ही करेंगे, कोई और काम नहीं बचेगा : चिराग

**पटना ( हिंस )।** बिहार में भीषण गर्मी के बीच सियासी तापमान भी बढ़ा हुआ है। क्योंकि, राज्य में आखिरी चरण का चुनाव एक जून को होगा। इस बीच पटना में पत्रकारों से बातचीत में बुधवार को चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की लंच पार्टी पर तंज कसा। चिराग ने कहा कि चार जून अब अधिक दूर नहीं है। एनडीए बिहार की सभी 40 सीटों सहित देशभर में 400 सीटें जीत रही है लेकिन जो लोग झूठ और भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं वे अब मीट और मटन पार्टी ही करेंगे। क्योंकि, उनके पास कोई और काम बचेगा ही नहीं। उन्होंने पीएम मोदी को लेकर कहा कि भगवान ने और इस देश के 140 करोड़ जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आशीर्वाद दिया है। इस आशीर्वाद का देन है कि आज उन्होंने देश की जनता को मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है लेकिन यह बात कांग्रेस या विपक्षी गठबंधन वाले नहीं समझ पाएंगे। चिराग ने कहा कि जो लोग गरीबी हटाने का नारा तो लगते थे लेकिन गरीबी हटाना तो दूर उल्टा गरीबों को हटाने के लिए लोगों ने रणनीति बनाना शुरू कर दिया। ऐसे में प्रधानमंत्री का साथ यदि हर कोई दे रहा है तो फिर इसमें उनको समस्या हो रही है। क्योंकि, प्रधानमंत्री हर तबके के लिए काम कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि जनता हमेशा हमारे साथ है। बिहार में बढ़ती गर्मी और स्कूल के 1.30 बजे तक के संचालन को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में चिराग ने कहा कि जिस तरीके से गर्मी बढ़ रही है वैसे में स्वाभाविक है कि बच्चों के लिए माकूल व्यवस्था होनी चाहिए। ऐसे में छुट्टी घोषणा करनी पड़े तो वह भी करें।

## जाली नोट के साथ तीन नेपाली व एक भारतीय नागरिक गिरफ्तार

**पूर्वी चंपारण ( हिंस )।** जिला से सटे नेपाल के बारा जिला के कलैया में नेपाल पुलिस ने भारी मात्रा में नेपाली जाली नोट बरामद किया है। इस दौरान 2 बाईक समेत 3 नेपाली एवं एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। नेपाल के बारा जिला प्रहरी कार्यालय के सूचना अधिकारी दधिराम न्योपाने ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर 4 लोगों को 13 लाख 16 हजार जाली नोट के साथ गिरफ्तार किया गया है, जिनमें रौतहट जिला के राजपुर नगरपालिका वार्ड नंबर-1 निवासी महादेव साह का पुत्र बीआर 06 ए डब्ल्यू 2758 नंबर की बाईक से एक हजार के कुल 707 नोट, कुल 7 लाख 7 हजार रुपया एवं बिहार के मोतिहारी जिला के झरोखर थानांतर्गत कबैया पंचायत के खर्सलवा गांव निवासी मो. आलम को एक हजार के 609 अदद, कुल 6 लाख 9 हजार जाली नोट के साथ गिरफ्तार किया गया, साथ ही बारा जिला के कोल्हवी नगरपालिका वार्ड-06 निवासी राजन चौधरी एवं वार्ड-05 निवासी आकाश चौधरी को भी गिरफ्तार किया है।

## जिस जम्मू-कश्मीर में लोग जाने से घबराते थे, अब वह वाकई स्वर्ग बन चुका है : मनोज सिन्हा

**मऊ ( हिंस )।** जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को नागरिक अभिनंदन समारोह में कहा कि जिस जम्मू-कश्मीर में लोग जाने से घबराते थे, अब वह वाकई में स्वर्ग बन चुका है। आज वह जम्मू-कश्मीर पूरी दुनिया में सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में जाना-पहचाना जाने लगा है। मनोज सिन्हा उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के एक प्लाजा में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन मां वैष्णो देवी यात्रा समिति ने किया था। सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। जिन इलाकों में पहले 5 से 7 प्रतिशत मतदान होते थे वहां अब 57 से 58 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिस जम्मू-कश्मीर में लोग जाने से घबराते थे अब आप वहां महसूस करेंगे कि वाकई अब वह स्वर्ग बन चुका है। सिन्हा ने कहा कि यह बदलाव केवल जम्मू-कश्मीर नहीं बल्कि पूरे देश में हो रहा है। उन्होंने कहा कि चार साल पूर्व उनको जम्मू-कश्मीर की जिम्मेदारी मिली। पहले मुझे यह कार्य बहुत चुनौतीपूर्ण लगा। मैंने सोचा भी नहीं था कि मुझे यहां जाना पड़ सकता है लेकिन बाद में जब मैंने वहां के बारे में जाना व समझा, आज समझ में आता है कि वहां का कार्य मऊ और गाजीपुर में कार्य करने से भी ज्यादा आसान है। जो जम्मू-कश्मीर पहले कुछ और कर्म से सुर्खियों में होता था, पड़ोसी देश के इशारे पर आगजनी, गोलाबारी, सुरक्षा बलों पर पत्थरबाजी, स्कूल बाजार हड़ताल इत्यादि हुआ करते थे, आज वह जम्मू-कश्मीर पूरी दुनिया में सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में जाना पहचाना जाने लगा है। उपराज्यपाल सिन्हा ने भारत के वैभवशाली अतीत का जिक्र कर कहा कि भारत सोने की चिड़िया हुआ करता था। सोने की चिड़िया से तात्पर्य यह नहीं है भारत में सोने की खदान थे बल्कि यहां के उच्च कोटि के शिक्षण संस्थान, ज्ञान, संस्कृति, संस्कार व शिक्षा ही हमारे मूलभूत आधार थे। हमारी संस्कृति विश्व में सबसे अगली कतार में खड़ी रही। हम नेतृत्वकर्ता के रूप में रहे, जिसके चलते भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। बीच में अलग-अलग विचारधाराओं की लड़ाई व आक्रांताओं के चलते हमने अपना गौरव खो दिया था। आज भारत पुन: अपनी पुरानी स्थिति की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। सिन्हा ने कहा कि आज भारत स्टार्टअप के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर है। दुनिया के किसी भी क्षेत्र में युद्ध में लोग आशा भरी निगाहों से हमें देखते हैं, समाधान हमसे चाहिए। इराक या सूडान में

जब भारतीय संकट में थे, भारतीय विमान उतरते ही दोनों देश युद्ध विराम कर देते थे। दुनिया के किसी भी भूभाग में दैवी आपदा में आज भारत ही मानवता की सेवा के लिए सबसे आगे नजर आता है। शताब्दी का सबसे बड़ा संकट कोरोना काल में भारत ने वैक्सीन बनाया जिसने केवल 140 करोड़ भारतीय ही नहीं बल्कि दुनिया के तमाम लोगों की जान बचाई। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल का इतिहास काफी गौरवशाली रहा है। अनेक लोगों ने बलिदान देकर देश के अस्मिता की रक्षा की है। आज पुन: विकसित भारत के लिए पूर्वांचल का योगदान सबसे आगे होना चाहिए। वह दौर बीत गया जब मकान, शौचालय, बिजली, पानी, स्वास्थ्य जैसी न्यूनतम नागरिक सुविधाओं के लिए भी हमें तरसना पड़ता था। आज हम उस स्थिति में पहुंच चुके हैं जहां हमारा सम्मान पूरे विश्व में बढ़ा है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को युवाओं के लिए एक बेहतर उपहार बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा में ही वह शक्ति है जो भारत को पुन: सोने की चिड़िया बनाएगी। उन्होंने भव्य श्रीराम मंदिर, बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर, केदारनाथ कॉरिडोर सहित तमाम धार्मिक क्षेत्र के विकास को सांस्कृतिक पुनर्जागरण बताते हुए कहा कि आज देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का दौर चल पड़ा है। इतिहास सबक भी देता है। कार्यक्रम में आगंतुकों के प्रति श्रीराम जायसवाल और संयोजक वेदनारायण मिश्रा ने आभार प्रकट किया। मनोज सिन्हा के नागरिक अभिनंदन के दौरान सनातन प्रहरी के रूप में नगर में अनवरत सुंदरकांड का पाठ करने वाले हनुमान सेवा समिति के चंद्रशेखर अग्रवाल चंदू बाबू, लोकसेवा न्यास के आनंद प्रताप सिंह, ब्रह्माकुमारी से बीके निर्मला दीदी, मऊ महादेव मंदिर समिति से मुकेश चौधरी रामसकल चौहान, पूर्वांचल के मालवीय कहे जाने वाले कृष्ण मोहन त्रिपाठी, प्रकाश मेडिकल ग्रुप प्रकाश चंद्र राय, जयसवाल समाज जिलाध्यक्ष लाल बहादुर जायसवाल, ग्राम प्रधान कासिमपुर पंकज पांडे, लावारिस शव अंत्येष्टि करने वाले पीएन सिंह व मॉर्निंग सिंडिकेट से लल्लन राय समेत कई गण्यमान्य मौजूद रहे।

# टीएम में अदाणी को हिस्सेदारी बेचने की बात महज कयासबाजी, फिनटेक कंपनी ने दावों को किया खारिज

**नई दिल्ली ।**
पेटीएम ने एक मीडिया रिपोर्ट में किए गए उन दावों को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि दावा किया गया है कि अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी पेटीएम में हिस्सेदारी खरीदने के लिए पेटीएम के संस्थापक विजय शंकर शर्मा के साथ बातचीत कर रहे थे।

देश की जानीमानी फिनटेक कंपनी ने इस खबर को काल्पनिक करार दिया है। कंपनी ने कहा है कि ऐसी खबरें महज कयासबाजी हैं। पेटीएम ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि कंपनी इस संबंध में किसी तरह की बातचीत नहीं कर रही है।

फाइलिंग में कंपनी ने कहा, ... हम स्पष्ट करते हैं कि उपरोक्त समाचार अटकलबाजी है और कंपनी इस संबंध में किसी भी चर्चा में शामिल नहीं है। हमने हमेशा सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और खुलासे की आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के तहत अपने दायित्वों के अनुपालन में खुलासे किए हैं और करते रहेंगे। तड़के एक अखबार ने अज्ञात सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी पेटीएम की पैतृक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में हिस्सेदारी खरीदना चाह रहे हैं।

### कंपनी के शेयरों में लगा 5 प्रतिशत का अपर सर्किट

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने अहमदाबाद में अदाणी के कार्यालय में गौतम अदाणी से मुलाकात की और सौदे की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, वन97 कम्युनिकेशंस में शर्मा की हिस्सेदारी करीब 19 फीसदी है, जिसकी कीमत 4,218 करोड़ रुपये है। कंपनी के शेयर 342 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुए।

बीएसई पर पेटीएम के शेयर 5 प्रतिशत उछलकर अपर सर्किट के साथ 359.55 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयरों में यह उछाल अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी की ओर से कंपनी में हिस्सेदारी लेने से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद आया। हालांकि अब कंपनी ने ऐसी की डील से इनकार कर दिया है।

## न्यूज ब्रीफ

### एलन मस्क की एआई स्टार्टअप ने निवेशकों से जुटाए 6 अरब डॉलर, ओपन एआई को चुनौती देने में मिलेगी मदद

**नई दिल्ली ।** एलन मस्क की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्टअप एक्सएआई ने 24 अरब

डॉलर के मूल्यांकन पर 6 अरब डॉलर (करीब 50,000 करोड़ रुपये) की पूंजी जुटाईहै ।यह ए, बी या सी फंडिंग राउंड में निवेशकों से जुटाईगईअब तक की सर्वाधिक रकम है। इसका इस्तेमाल ओपन एआई के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए किया जाएगा। मस्क ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सीरीज बी में जुटाई गई इस फंडिंग से पहले एक्सएआई का मूल्यांकन 18 अरब डॉलर था। एआई की तेज दौड़ में ओपन एआई जैसी कंपनियों को चुनौती देने के लिए आंद्रेसेन होरोविट्ज, सिकोइया कैपिटल व फिडेलिटी मैनेजमेंट समेत अन्य ने इसमें निवेश किया है। सिर्फ 15 महीने पहले हुईथी कंपनी की शुरुआत खास बात है कि मस्क के इस एआई स्टार्टअप की शुरुआत सिर्फ 15 महीने पहले हुईथी ।पोस्ट के मुताबिक, इस पैसे का इस्तेमाल एक्सएआई के पहले उत्पादों को बाजार में लाने, उन्नत बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान में तेजी लाने के लिए किया जाएगा। इससे पहले ओपन एआई ने 14 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई थी, जिससे उसका वर्तमान मूल्यांकन 80 अरब डॉलर पहुंच गया है।

### एफसीएम की रिपोर्ट: हवाई किराया जनवरी-मार्च में 9 फीसदी महंगा प्रीमियम क्लास बुकिंग में 20 फीसदी की आई तेजी

**नई दिल्ली ।** अर्थव्यवस्था में मजबूत वृद्धि और यात्रा में तेजी से इस साल जनवरी-मार्च के दौरान देश में औसत हवाई किराया 9 फीसदी बढ़ गया। एफसीएम ट्रैवल के अनुसार, एक साल पहले की तुलना में प्रीमियम क्लास बुकिंग में 20 फीसदी की तेजी आई है। एफसीएम की रिपोर्ट के अनुसार, देश में कारोबारी यात्रा के लिहाज से मुंबई-दिल्ली और बंगलूरू-मुंबई सबसे व्यस्त रूट रहा है। इन शहरों में सबसे ज्यादा कारोबारियों ने यात्राएं की हैं। भारत जल्द ही पूरी दुनिया में सातवां सबसे बड़ा कारोबारी यात्रा का बाजार बनने वाला है। इससे एविएशन क्षेत्र में अच्छी खासी तेजी आने की उम्मीद है। कारोबारी यात्रा करने वाले अब प्रीमियम यात्रा के लिए थोड़ा ज्यादा खर्च करने को भी तैयार हैं। इससे प्रीमियम बुकिंग में भी तेजी देखी जा रही है। भारत के विमानन क्षेत्र के बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षमता भी इसी दौरान 14 फीसदी तक बढ़ गई है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर औसत किराया 15 फीसदी सस्ता हो गया है। बता दें कि इस साल अप्रैल में घरेलू बाजार में कुल 1.32 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की थी। 2023-24 में 15 करोड़ से ज्यादा लोगों ने यात्रा की थी। ऐसे में यह अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में यह संख्या और तेजी से बढ़ सकती है।

### चालू वित्त वर्ष में घटकर 14 फीसदी रह जाएगी बैंकों की कर्ज वृद्धि दर, खुदरा और एमएसएमई ऋण में आएगी गिरावट

**नई दिल्ली ।** आर्थिक वृद्धि दर कम रहने से बैंकों की कर्ज वृद्धि चालू वित्त वर्ष यानी 2024-25 में 2 फीसदी घटकर 14 फीसदी रह जाएगी। 2023-24 में बैंकिंग प्रणाली की कर्ज वृद्धि दर 16 फीसदी रही थी। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एक रिपोर्ट में कहा, बीते वित्त वर्ष के 7.6 फीसदी की तुलना में जीडीपी की वृद्धि दर 2024-25 में घटकर 6.8 फीसदी रह सकती है। इसका असर बैंकों की कर्ज वृद्धि दर पर पड़ने की आशंका है। असुरक्षित कर्जों पर अधिक जोखिम भार और उच्च आधार जैसे आरबीआई के उपायों से भी ऋण वृद्धि प्रभावित हो सकती है। कॉरपोरेट ऋण की वृद्धि दर 13 फीसदी रह सकती है क्रिसिल ने कहा, कॉरपोरेट ऋण की वृद्धि दर 2024-25 में 13 फीसदी रह सकती है। हालांकि, खुदरा कर्ज की वृद्धि 2023-24 के 17 फीसदी से घटकर 16 फीसदी पर आ सकती है। इसके बावजूद यह बैंकों के लिए सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बना रहेगा। एमएसएमई क्षेत्र को दिए जाने वाले कर्ज की वृद्धि दर भी 19 फीसदी से घटकर 15 फीसदी पर आ सकती है।

# सोने-चांदी के आभूषण निर्यात से जुड़ी नई अधिसूचना स्थगित, एक दिन पहले जारी की गई थी गाइडलाइन

**नई दिल्ली ।**
भारत सरकार ने आभूषण निर्यात में सोने, चांदी और प्लैटिनम समाग्री के लिए स्वीकार्य बर्बादी मात्रा के नए मानदंडों को 31 जुलाई 2024 तक रोक दिया है। सरकार ने यह फैसला किया है। बता दें, सरकार ने एक दिन पहले ही सोने-चांदी के आभूषणों के निर्यात के संबंध में बर्बादी की स्वीकार्य मात्रा और मानक संबंधित संशोधित मानदंडों को अधिसूचित किया था। अधिसूचना जारी करने के एक दिन बाद ही रत्न और आभूषण उद्योग ने नए मानकों पर गंभीर चिंता जाहिर की थी। उद्योग ने दावा किया कि मानदंडों को बिना किसी परामर्श के अधिसूचित किया गया था। उद्योग क्षेत्र की परेशानी को सुनने के लिए एक और मौका विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि संशोधित मानदंडों से उद्योग क्षेत्र की कठिनाइयों को बताने के लिए उद्योग को एक और अवसर दिया जाएगा। उद्योग और परिषद एक महीने के भीतर संबंधित मानदंड समिति को जानकारी दे सकते हैं। निदेशालय ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया। नोटिस में निदेशालय ने कहा कि डीजीएफटी 27 मई, 2024 की सार्वजनिक सूचना को तत्काल प्रभाव से 31 जुलाई, 2024 तक के लिए स्थगित करता है। इस दौरान, पहले से मौजूद बर्बादी मानदंड बहाल रहेंगे। डीजीएफटी ने कहा कि इस विषय को लेकर पांच और 21 मार्च को उद्योग से परामर्श आयोजित किया गया था। उद्योग को अब विनिर्माण और आभूषण निर्माण के विभिन्न चरणों में बर्बादी और वसूली की जानकारी देनी होगी। उद्योग के एक अधिकारी ने बताया कि संशोधित आदेश में बर्बादी मानदंडों को काफी कम कर दिया गया। इससे सादे और जड़ित आभूषणों के निर्यात पर असर पड़ सकता है। उद्योग ने हस्तक्षेप के लिए निदेशालय से संपर्क करते हुए कहा था कि नए आदेश के कारण देश का आभूषण निर्यात प्रभावित होगा। जानें क्या हैं बर्बादी के नियम नए आदेश में सरकार ने सोने और प्लेटिनम के सादे आभूषणों के लिए वजन के हिसाब से बर्बादी को 2.5 प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत कर दिया था। वहीं, जड़ित आभूषणों के लिए बर्बादी को पांच प्रतिशत से घटाकर 0.75 प्रतिशत कर दिया था। वहीं, पदकों और सिक्कों की बर्बादी के मानदंडों को 0.2 प्रतिशत से घटाकर 0.1 प्रतिशत कर दिया गया।

### रिलायंस ने रूस की कंपनी के साथ करार किया: रोसनेफ्ट से खरीदेगी कच्चा तेल, रूस की करेंसी रूबल में करेगी पेमेंट

**नई दिल्ली।** रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के साथ एक साल के लिए करार किया है। इस करार के तहत रिलायंस हर महीने कम से कम 3 मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) का आयात करेगी। पेमेंट रूस की करेंसी रूबल में किया जाएगा। तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक 2 जून को मीटिंग करने वाले हैं। इसमें ये तेल सप्लाई में कटौती जारी रखने कर निर्णय ले सकते हैं। ऐसे में रिलायंस इंडस्ट्रीज को इस डील की वजह से रियायती कीमत पर तेल मिलते रहने में मदद मिलेगी। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूस से तेल खरीदने पर बैन लगा दिया था। इसके बाद से भारत रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। भारत ने रूसी कच्चे तेल के लिए रुपए, दिरहम और चीन की करेंसी युआन में भी भुगतान किया है। 3 साल में 2 से 40 प्रतिशत हुआ रूस से इंपोर्ट भारत ने 2020 में रूस से अपनी जरूरत का सिर्फ 2 प्रतिशत कच्चा तेल खरीदा था। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से ठीक पहले 2021 में टोटल सप्लाई 16 प्रतिशत हो गई और 2022 में सप्लाई बढ़कर 35 प्रतिशत तक पहुंच गई। फिलहाल भारत रूस से अपनी जरूरत का 40 प्रतिशत क्रूड ऑयल खरीद रहा है। भारत की टोटल व्यापार वैल्यू में क्रूड ऑयल का हिस्सा एक तिहाई है। यानी भारत जो कुछ भी बाहर से इंपोर्ट करता है उसका करीब एक तिहाई हिस्सा क्रूड ऑयल होता है। इसलिए इस मुनाफे से व्यापार घाटे में कमी आएगी। रूस पर पश्चिमी देशों ने लगाया था प्रतिबंध यूक्रेन के साथ युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसका फायदा दुनिया में क्रूड ऑयल के तीसरे सबसे बड़े इंपोर्टर भारत ने उठाया और यूरोप की जगह रूस से तेल का इंपोर्ट बढ़ा दिया था। भारत की सबसे बड़ी कंपनी है रिलायंस रिलायंस इंडस्ट्रीज मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी का 19.69 लाख करोड़ रुपए है। वहीं रोसनेफ्ट भी रूस की तीसरी बड़ी कंपनी है। इसका मार्केट कैप करीब 7 लाख करोड़ रुपए (85 बिलियन डॉलर) है।

# चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं आया बदलाव

**नई दिल्ली ।**
**घरेलू बाजार में चारों महानगरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव नहीं आया। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सभी राज्यों में इसलिए अंतर होता है क्योंकि राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर से वैट और अन्य टैक्स लगाती हैं। आज दिल्ली समेत अन्य महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।**

राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमतें 94.72 रुपये जबकि डीजल की 87.62 रुपये प्रति लीटर पर हैं। वहीं मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। -कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। -चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये जबकि डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं अन्य शहरों की बात करें तो नोएडा में पेट्रोल 94.65 रुपये जबकि डीजल 87.75 रुपये पर है। आगरा में पेट्रोल 94.70 रुपये। वहीं डीजल 87.79 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये है। गाजियाबाद में पेट्रोल का भाव 94.65 रुपये है, तो वहीं डीजल 87.75 रुपये पर बिक रहा है। मुजफ्फरनगर में पेट्रोल 94.63 रुपये है, और डीजल के दाम 87.72 रुपये हैं। राजस्थान के जोधपुर में पेट्रोल का दाम 104.70 रुपये है, तो वहीं डीजल 91.20 रुपये पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये है, तो वहीं डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है. जोधपुर में पेट्रोल का दाम 104.70 रुपये है, तो वहीं डीजल 91.20 रुपये बिक रहा है. जयपुर में पेट्रोल के दाम 104.88 हैं तो वहीं डीजल 90.36 रुपये है. पटना में पेट्रोल का रेट 105.18 रुपये है, तो वहीं डीजल के दाम 92.04 रुपये हैं. ।

# करदाताओं के लिए बेहद जरूरी खबर: 31 मई तक पैन को आधार से जोड़ने से होगी बचत, वरना दोगुना दर से भरना होगा टीडीएस

**नई दिल्ली।**
**आयकर विभाग ने करदाताओं को सलाह दी है कि वे ऊंची दर पर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) से बचने के लिए 31 मई, 2024 तक अपने पैन को आधार से जोड़ लें। आयकर नियमों के मुताबिक, स्थायी खाता संख्या (पैन) अगर बायोमीट्रिक आधार से जुड़ा नहीं है तो लागू रेट से दोगुना दर पर टीडीएस कटेगा।**

विभाग ने सोशल मीडिया पर लिखा, अधिक टीडीएस कटौती से बचने के लिए 31 मई से पहले अपने पैन को आधार से जोड़ लें। एक अलग पोस्ट में बैंकों, विदेशी मुद्रा डीलर सहित रिपोर्टिंग संस्थाओं को दंड से बचने के लिए अंतिम तिथि 31 मई तक एसएफटी (निर्दिष्ट वित्तीय लेनदेन का विवरण) दाखिल करने को भी कहा गया है। तो प्रत्येक डिफॉल्ट दिन के लिए भरना होगा 1,000 रुपये जुर्माना रिपोर्टिंग संस्थाओं विदेशी मुद्रा डीलर, बैंक, उप-रजिस्ट्रार, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी), डाकघर, बॉन्ड/ऋणपत्र जारीकर्ता, म्यूचुअल फंड ट्रस्टी और लाभांश का भुगतान करने वाली या शेयर वापस खरीदने वाली कंपनियों को कर अधिकारियों के समक्ष एसएफटी रिटर्न दाखिल करना जरूरी है। इसमें देरी पर हर डिफॉल्ट दिन के लिए 1,000 रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

# ताज होटल परिसर में आराम से सोता मिला कुत्ता; पूछने पर प्रबंधन ने बताया कारण, रतन टाटा से है कनेक्शन

**नई दिल्ली ।**
रूबी खान नामक एक एचआर पेशेवर ने हाल ही में मुंबई के ताजमहल होटल से जुड़ी एक दिलचस्प कहानी साझा की है। ताज महल होटल में रुकने के दौरान होटल के प्रवेश द्वार पर एक कुत्ते को शांति से सोते हुए देख वह हैरान रह गई गईं थीं। कुत्ते की मौजूदगी से रूबी खान की जिज्ञासा जगी। इस बारे में उन्होंने कर्मचारियों के साथ पूछताछ की तो उन्हें बताया गया कि कुत्ता जन्म से ही होटल के परिसर में रह रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि रतन टाटा ने होटल परिसर में प्रवेश करने वाले जानवरों के साथ अच्छा व्यवहार करने के सख्त निर्देश दे रखे हैं। एक लिंक्डइन पोस्ट में, खान ने ने लिखा, ... यह जगह (ताजमहल होटल) राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों से लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हस्तियों तक के कई मेहमानों की मेजबानी करता है, इसकी दीवारों के भीतर हर किसी को महत्व दिया जाता है। इस तरह के एक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान का प्रवेश महत्वपूर्ण महत्व रखता है, और वहां वह (एक कुत्ता) शांति से सो रहा था, शायद किसी मेहमान का इस ओर ध्यान नहीं गया। खान ने आगे कहा कि उन्होंने होटल में समावेश, मनोवैज्ञानिक सुरक्षा और कार्रवाई में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अनुभव किया।

खान ने रतन टाटा की ओर इशारा करते हुए कहा, आप सबसे सफल उद्यमी हो सकते हैं, लेकिन आपको हर किसी का सम्मान करने और गले लगाने से कभी नहीं रोकना चाहिए।

पोस्ट को शेयर किए जाने के बाद उस पर प्रतिक्रियाओं और कई टिप्पणियों की झड़ी लग गई। होटल की ओर से भी इस मसले पर टिप्पणी की गई। ताज होटल्स ने खान के पोस्ट पर एक टिप्पणी करते हुए लिखा, हाय रूबी, इस कहानी को साझा करने के लिए धन्यवाद। ताज में, हम करुणा और समावेश को महत्व देते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर कोई मेहमान घर जैसा महसूस करे। आपके अनुभव वास्तव में हमारे मूल मूल्यों से मेल खाते हैं।

# स्वरोजगार में तेजी...उद्यमियों की संख्या सात साल में दोगुना बढ़कर 7 करोड़ पार

**नई दिल्ली ।**
देश में पिछले कुछ वर्षों से कारोबारियों की संख्या में जबरदस्त तेजी दिखी है। खास बात यह है कि स्वरोजगार करने वालों की संख्या सात साल में बढ़कर दोगुनी हो गई है। 2016-17 में स्वरोजगार करने वालों की संख्या 3.61 करोड़ थी, जो 2023-24 में 7.06 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, 2016-17 में हर 100 कार्यरत व्यक्ति में से 13 लोग कारोबारी थे। 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 20 पहुंच गई है। 2023-24 में कुल 42.36 करोड़ लोगों के पास काम था। इसमें से 8.66 करोड़ कारोबारी थे।

आंकड़ों के मुताबिक, व्यावसायिक संरचना सात साल पहले की तुलना में अब बिल्कुल अलग है। 2016-17 में छोटे व्यापारियों और दिहाड़ी मजदूरों की कुल कार्यबल में 42.4 फीसदी हिस्सेदारी थी। किसानों और वेतनभोगी कर्मचारियों का हिस्सा क्रमशः 21 फीसदी और 23 फीसदी था। व्यावसायिक व्यक्तियों की संख्या कुल रोजगार में सिर्फ 13 फीसदी थी। 100 कार्यरत लोगों में 20 कारोबारी थे बीते वित्त वर्ष में, 2016-17 में आंकड़ा 13 था रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में कुल कार्यबल में कारोबारी व्यक्तियों की हिस्सेदारी बढ़कर 20.4 फीसदी पर पहुंच गई है। छोटे कारोबारियों व दिहाड़ी मजदूरों का हिस्सा घटकर 30 प्रतिशत के नीचे आ गया है। वेतनभोगी कर्मचारियों की संख्या में भी गिरावट आई। इनकी हिस्सेदारी 2023-24 में 21.8 फीसदी थी जो कोरोना महामारी के पहले के स्तर को पार कर गई है। किसानों की हिस्सेदारी में इजाफा 2023-24 में कुल रोजगार में किसानों का अनुपात बढ़कर करीब 28 फीसदी हो गया। यह 2016-17 में 23 फीसदी था। सीएमआईई ने इस आंकड़े को तीन वर्गों में विभाजित किया है। इसमें कारोबारी, स्व-रोजगार और स्व-रोजगार उद्यमी शामिल हैं। कारोबारियों का घटा अनुपात सात वर्षों में व्यवसायियों का अनुपात काफी हद तक गिरकर 2023-24 में 16.7 फीसदी रह गया। दूसरी ओर, स्व-रोजगार उद्यमियों की हिस्सेदारी बढ़कर 81.5 प्रतिशत पहुंच गई। व्यावसायिक व्यक्तियों के रूप में नौकरियों की बड़े पैमाने पर वृद्धि स्व-रोजगार उद्यमियों के बीच केंद्रित है।

### एलआईसी का सालाना प्रीमियम में दो अंक बढ़ाने का लक्ष्य

**नई दिल्ली।** भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) इस वित्त वर्ष में सालाना प्रीमियम (एपीई) में दो अंकों की बढ़ोतरी का लक्ष्य कर रही है। इस बढ़ोतरी से नए उत्पादों और एजेंसी चैनलों को मजबूती मिलेगी। निगम के प्रबंधन ने नतीजों के बाद एनालिस्ट कॉल में बताया कि वे किसी एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के विकल्प को भी तलाशेंगे। जीवन बीमा उद्योग में नए कारोबार की बिक्री को मापने का सामान्य तरीका एपीई होता है। इसकी गणना सालाना नियमित प्रीमियमों में एकल प्रीमियमों का 10 फीसदी हिस्सा जोड़कर की जाती है। एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने बताया कि वित्त वर्ष 2025 में अतिरिक्त बढ़ोतरी उत्पाद और चैनल दोनों से होगी। उन्होंने बताया कि हमने बीते वर्ष दिशा-निर्देश में बदलाव के चलते नॉन-पार सेगमेंट में कुछ उत्पाद लॉन्च किए थे और हमें वांछित परिणाम भी मिले थे। वित्त वर्ष 2024 में सालाना एपीई में गैर भागीदारी उत्पाद बढ़कर 18.32 फीसदी हो गए जबकि यह वित्त वर्ष 2023 में 8.89 फीसदी थे।

# विश्व चैंपियन डिंग से हारे प्रगनानंदा वैशाली ने कोनेरू हंपी को दी शिकस्त

**नई दिल्ली ।**
प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज के राउंड दो में स्पेयरबैंक 1 एसआर-बैंक में एक बार फिर सभी तीन क्लासिकल गेम ड्रॉ पर समाप्त हुए। हालांकि, मैग्नस कार्लसन, अलीरेजा फिरोजा और डिंग लिरेन ने बाद के आर्मागेडन मैचों में सफेद रंग से जीत हासिल की और तीनों ने 1.5-1.5 अंक हासिल किए। विश्व चैंपियन डिंग लिरेन के खिलाफ 2-0 की बढ़त के साथ आगे बढ़ने वाले भारत के आर प्रगनानंदा आर ने नॉर्वे शतरंज 2024 मुख्य कार्यक्रम के दौर में अपना पहला क्लासिकल ड्रॉ खेला। इसके बाद चीनी ग्रैंडमास्टर लिरेन आर्मागेडन टाई-ब्रेकर में विजयी हुए। वहीं, मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा ने करीबी प्रतिस्पर्धा वाली क्लासिकल गेम खेली जो ड्रॉ पर समाप्त हुई। हालांकि, इसके बाद कार्लसन ने दबाव में अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हुए आर्मागेडन मुकाबले में एक महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में कामयाबी हासिल की। अब कार्लसन ने टूर्नामेंट स्टैंडिंग में तीन अंकों की बढ़त ले ली। फिरोजा और फेबियानो कारुआना को भी कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेलना पड़ा। हालांकि, इसके बाद स्पीड शतरंज में फिरोजा ने कारुआना को हरा दिया और महत्वपूर्ण 1.5 अंक हासिल किए। वहीं, दूसरी तरफ प्रगनानंदा की बहन वैशाली ने हमवतन कोनेरू हंपी को हराकर महिला टूर्नामेंट में बढ़त बना ली है। वैशाली ने नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में अपनी पहली क्लासिकल जीत दर्ज की। शुरुआत में हंपी के मामूली लाभ के बावजूद समय के दबाव ने गलती करने पर विवश कर दिया। यहीं वैशाली ने बाजी मार ली और भारत की नंबर एक महिला खिलाड़ी के खिलाफ अपनी पहली जीत हासिल की। इसके साथ ही वैशाली लाइव रेटिंग सूची में भारत की नंबर दो महिला खिलाड़ी बन गई। लेई तिंगजी और पिया क्रैम्लिंग के साथ-साथ जू वेनजुन और अन्ना मुज्यचुक के बीच अन्य दो क्लासिक मैच कड़े मुकाबले में ड्रा पर समाप्त हुए। वेनजुन और टिंगजी की चीनी जोड़ी अपने संबंधित आर्मागेडन खेलों में विजयी हुई।

## न्यूज ब्रीफ

### अर्जेंटीना की महिला फुटबॉल टीम में उठा विवाद

**ब्यूनस आयर्स ।** अर्जेंटीना की राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम में विवाद के कारण तीन खिलाड़ियों ने नहीं खेलने की घोषणा कर दी है। इसमें गोलकीपर लॉरिना ओलिविरोस, डिफेंडर जूलिएटा क्रूज और मिडफील्डर लोरेना बेनिटेज जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं अर्जेंटीना को तीन जून को कोस्टा रिका के खिलाफ एक मैत्री मैच खेलना है। ऐसे में उसकी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम छोड़ने वाली खिलाड़ियों ने बेतन बढ़ाने के साथ ही बेहतर सुविधाएं मांगी हैं। क्रूज ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''हम एक ऐसी जगह पर पहुंच गए हैं जहां हम मांगते-मांगते थक गए हैं, हमें महत्व नहीं दिया जा रहा, हमारी बात नहीं सुनी जा रही और इससे भी खराब बात ये है कि हमारा अपमान हो रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें अर्जेंटीना की महिला फुटबॉल राष्ट्रीय टीम में सुधार की जरूरत है और हम केवल पैसे के बारे में ही बात नहीं कर रहीं बल्कि इस दौरान मिलने वाले खाने पर भी बात कर रही हैं।'' क्रूज और बेनिटेज ने कहा कि राष्ट्रीय टीम के ट्रेनिंग सत्र के दौरान पर्याप्त पौष्टिक भोपन नहीं मिल रहा है। इसके अलावा फुटबॉल संघ ने उन्हें बताया कि दो मैत्री मैचों के लिए भुगतान भी नहीं किया जाएगा क्योंकि ये मुकाबले घरेलू मैदान पर होंगे।

### भारत ने श्रीलंका को 3-0 से फाइनल में हराया, दोनों वर्गों में दक्षिण एशियाई टीम खिताब सुरक्षित

**नई दिल्ली ।** भारत की लड़कियों की अंडर-19 टीम ने कैंडी में मेजबान श्रीलंका को फाइनल में 3-0 से हराकर दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना खिताब बरकरार रखा। भारत ने इससे पहले नेपाल को सेमीफाइनल में 3-0 से हराया। फाइनल में भारत की सयाली वानी ने बिमांदी बंडारा को 11-6, 12-10, 11-8, प्रिथा वर्तिकर ने तमादी कविंदया को 7-11, 11-3, 11-7, 6-11, 11-8 जबकि तनीषा कोटेचा ने दिव्या धरानी को 11-8, 11-7, 11-7 से हराकर खिताब जीता। अंडर-15 पुरुषों के फाइनल में भारत की जीत अंडर-15 के फाइनल में भी भारत ने श्रीलंका को 3-0 से शिकस्त दी जबकि अंडर-15 लड़कों के फाइनल में भी सार्थक आर्या ने श्रीलंका के खिलाफ अपने दोनों मैच जीतकर भारत की 3-1 से जीत सुनिश्चित की। सोहम मुखर्जी ने भी अपना मैच जीता। हालांकि साहिल रावत को अगस्तया आनंदिथा से हार का सामना करना पड़ा था।

### भारतीय पर्वतारोही सत्यदीप ने रचा इतिहास, एवरेस्ट और ल्होत्से की चढ़ाई पूरी कर बनाया रिकॉर्ड

**नई दिल्ली ।** भारतीय पर्वतारोही सत्यदीप गुप्ता ने एक सीजन में दो बार माउंट एवरेस्ट और माउंट ल्होत्से पर चढ़ाई करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। इसके अलावा उन्होंने 11 घंटे और 15 मिनट में दो चोटियों को पार कर भी इतिहास रच दिया है। अभियान का आयोजन करने वाले पायनियर एडवेंचर एक्सपीडिशन के मुताबिक, सत्यदीप ने दोपहर में 8,516 मीटर ऊंचे माउंट ल्होत्से और आधी रात को 12:45 बजे 8,849 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पूरी की। एडवेंचर कंपनी के मुताबिक, यह एक सीजन में दुनिया की सबसे ऊंची और चौथी सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ाई की पहली घटना है। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। उन्होंने माउंट एवरेस्ट से माउंट ल्होत्से तक 11 घंटे और 15 मिनट में यात्रा करने वाले पहले भारतीय बनकर एक और रिकॉर्ड भी बनाया। उनके साथ पर्वतारोही गाइड पेस्टेम्बा शेरपा और नीमा उंगडी शेरपा भी थे। गुप्ता ने 21 मई को माउंट एवरेस्ट और 22 मई को माउंट ल्होत्से पर चढ़ाई की थी। पायनियर के मुताबिक, वह इस दोहरी चढ़ाई को पूरा करने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति हैं।

## टी-20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया ने प्रैक्टिस शुरू की

# खिलाड़ियों ने फोटोज शेयर कीं ; 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है वॉर्म-अप मैच

**नई दिल्ली ।**
टी-20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले टीम इंडिया ने न्यूयॉर्क में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। अमेरिका और वेस्टइंडीज में 2 जून से शुरू होने वाले वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ वॉर्म-अप मैच खेलेगी। टीम के उपकप्तान हार्दिक पंड्या, स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव ने प्रैक्टिस के फोटोज शेयर किए हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी प्रैक्टिस का वीडियो शेयर किया। खिलाड़ियों ने जो फोटोज शेयर की हैं, उनमें वो जॉगिंग और फुटबॉल खेलते दिखाई दे रहे हैं।

### भारत का पहला मैच आयरलैंड से

इस बार का टी-20 वर्ल्ड कप 2 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। ओपनिंग मैच अमेरिका और कनाडा के बीच खेला जाएगा। भारतीय टीम का पहला मैच 5 जून को आयरलैंड से न्यूयॉर्क में होगा।

### वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

**रिजर्व :** शुभमन गिल, खलील अहमद, रिंकू सिंह, आवेश खान।

### अमेरिका में पहली बार होगा आईसीसी टूर्नामेंट

अमेरिका को पहली बार ही किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। 2028 के ओलिंपिक गेम्स भी अमेरिका में ही होंगे, जिसमें क्रिकेट भी शामिल किया गया है। इस इवेंट को देखते हुए आईसीसी ने अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप कराने को प्राथमिकता दी। अमेरिका के साथ वेस्टइंडीज में भी टी-20 वर्ल्ड कप होगा, यहां 2010 का टूर्नामेंट भी खेला गया था। 2022 में पिछला वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में हुआ था।

### टी20 विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन करेंगे पंड्या : हरभजन

**नई दिल्ली ।** दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में हार्दिक पंड्या लय हासिल करते हुए बेहतर प्रदर्शन करेंगे। आईपीएल में इस बार पंड्या का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है जिसके बाद से ही वह दबाव में हैं। पंड्या आईपीएल में गेंद और बल्ले के साथ ही कप्तानी में भी विफल रहे हैं। वह जहां गेंदबाजी में प्रभावित नहीं कर पाये। वहीं उनका बल्ला भी खामोश रहा। जहां तक कप्तानी की बात है उनकी टीम मुम्बई इंडियंस अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रही। इसके कारण वह दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसकों के गुस्से का शिकार हुए हैं। इसके बाद भी उन्हें विश्वकप के लिए उपकप्तान बनाया गया है। अब उनके पास अपने को साबित करने का अवसर है। हरभजन ने हार्दिक पंड्या के साथ सहानुभूति जताई है। उन्होंने कहा कि, पंड्या करियर में एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, हरभजन को उम्मीद है कि वह विश्वकप के दौरान शानदार प्रदर्शन करेंगे। पंड्या को आईपीएल 2024 के दौरान जब भी मैदान पर उतरते थे तो उन्हें हूटिंग का शिकार होना पड़ता था। हरभजन को हालांकि उम्मीद है कि अमेरिका में टी20 विश्व कप के दौरान चीजें बदलेंगी। उन्होंने कहा, 'जब वह भारतीय टीम की जर्सी पहनेगा तो वह एक अलग हार्दिक पांड्या होगा क्योंकि हम जानते हैं कि वह रन बना सकता है और विकेट ले सकता है। मैं चाहता हूं कि हार्दिक अच्छा प्रदर्शन करें क्योंकि वह बहुत कुछ झेल चुका है और मैं उन्हें भारत के लिए बहुत अच्छे टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, 'हार्दिक के लिए अगर यह टूर्नामेंट अच्छा रहा तो जाहिर तौर पर भारत के पास आगे बढ़ने का शानदार मौका होगा। साथ ही कहा, 'हां, उनकी फॉर्म थोड़ी चिंता का विषय है। उनके आसपास बहुत सारी चीजें चल रही थीं, उसका गुजरात टाइटंस से मुंबई इंडियंस स्थानांतरित होना एक बड़ा बदलाव था और मुम्बई में जाते ही वह असफल हो गये। इसके साथ ही उसके दर्शकों की हूटिंग भी झेलनी पड़ी जिससे वह हताश हो गया।

# 40 के दशक में क्रिकेटरों को मिलता था एक रुपया

**मुम्बई ।**
आजकल क्रिकेट में खिलाड़ियों को करोड़ों की रकम और ईनाम मिलते हैं।

आईपीएल में ही विजेता टीम को 20 करोड़ की राशि मिली है। इसके साथ ही क्रिकेटरों को सालाना करोड़ों के अनुबंध और विज्ञापन भी मिलते हैं।

वहीं पहले ऐसा नहीं था और एक समय ऐसा भी था जब क्रिकेटरों को एक मैच के लिए एक रुपया मिलता था जो बाद में बढ़ाकर पांच रुपया हुआ। तब क्रिकेटरों को आज जैसी सुविधाएं भी नहीं मिलती थीं और उन्हें देश में होने वाले मैचों में ट्रेन से भेजा जाता था। इसके अलावा उन्हें सामान्य होटलों में ठहराया जाता था। वहीं आज खिलाड़ियों की नीलामी में उन्हें टीमें लाखों-करोड़ों में खरीदती हैं। 40 के दशक में भारतीय क्रिकेटरों को एक टेस्ट मैच खेलने के लिए एक रुपया मिलता था।

भारतीय टीम की ओर से 40 के दशक में खेलने वाले माधव आप्टे ने बीसीसीआई के 75 साल पूरे होने के अवसर पर एक समारोह में कहा था कि भारतीय टीम जब 40 के दशक में खेलती थी तो भारतीय क्रिकेटरों को एक टेस्ट मैच खेलने पर एक रुपया मिलता था। ये रकम भी लांड्री भत्ते के रूप में दी जाती थी। जिससे वे अपनी सफेद पोशाक को साफ रख सकें। इसके बाद ये रकम बढ़ाकर पांच रुपये प्रति टेस्ट मैच कर दी गई। उस समय वे जहाज से नहीं बल्कि ट्रेन से यात्रा करते थे। फिर मैच फीस बढ़कर पांच रुपये हुई। वहीं 1955 के आसपास भारतीय क्रिकेटरों को 250 रुपये मिलने लगे। तब बीसीसीआई आज की तरह धनी नहीं थी और कई बार उसके पास क्रिकेटरों को मैच फीस देने के भी पैसे नहीं होते थे।

क्रिकेटर तब ट्रेन से सफर करते थे। 70 के दशक तक भी भारतीय क्रिकेटरों को हर मैच के लिए दो हजार रुपये के आसपास मिलते थे। वहीं 80 के दशक में प्रति टेस्ट मैच फीस पांच हजार से दस हजार रुपये तक पहुंची। वहीं जब बीसीसीआई ने पहली बार एक अक्टूबर 2004 को क्रिकेटर अनुबंध प्रणाली शुरु की तो खिलाड़ियों को भारी रकम मिलने लगी। उसके बाद से ही क्रिकेटरों के मालामाल होने का सिलसिला शुरु हो गया।

# उथप्पा ने श्रेयस को भविष्य का कप्तान बताया

**मुम्बई ।**
**भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने श्रेयस अय्यर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भविष्य में भारतीय टीम के कप्तान बन सकते हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल खिताब जीता है। उथप्पा ने कहा कि इस दौरान सभी ने श्रेयस की नेतृत्व क्षमता देखी है। उथप्पा के अनुसार श्रेयस नेतृत्व क्षमता के मामले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल से कहीं आगे हैं। शुभमन को पिछले कुछ समय से भविष्य का कप्तान बताया जा रहा था पर उथप्पा श्रेयस को उससे आगे मानते हैं।**

उथप्पा ने बताया कि गौतम गंभीर, चंद्रकांत पंडित जैसे दिग्गजों के मार्गदर्शन से तैयार हुए अय्यर ने एक टीम का प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने की क्षमता के साथ-साथ एक लचीला चरित्र दिखाया है। इसलिए मेरा मानना है कि श्रेयस भारत के भविष्य के कप्तान बनने जा रहे हैं क्योंकि उनके पास एक टीम को संभालने के लिए चरित्र और साधन हैं। मुझे लगता है कि इस सीज़न में उन्होंने बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने पूरी आईपीएल के दौरान प्रदर्शन करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। सही निर्णय लिए। उन्होंने यह सब पूरे नियंत्रण के साथ किया। यह आपको उसके चरित्र के बारे में बहुत कुछ बताता है और वह मानता है कि वह क्या करने में सक्षम है। गौरतलब है कि श्रेयस के लिए ये सत्र आसान नहीं था क्योंकि बीसीसीआई ने आईपीएल शुरू होने से पहले ही उन्हें भारतीय टीम से बाहर करने के साथ ही केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं दिया था। जिसके कारण वह टी20 विश्व कप से बाहर हो गये पर इसके बाद भी श्रेयस कमजोर नहीं पड़े और लगातार बेहतर प्रदर्शन करते रहे। पूरे सीजन के दौरान श्रेयस ने अपनी कप्तानी के दौरान लिए गए फैसलों से सभी को प्रभावित किया।

# टी20 विश्वकप में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करेगा ऋषभ : पोंटिंग

**नई दिल्ली ।**
**दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने आईपीएल से शानदार वापसी करने वाले टीम के कप्तान ऋषभ पंत की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि वह टी20 विश्वकप में प्रभावशाली प्रदर्शन करेगा। ऋषभ ने कार हादसे के 14 महीने के बाद भी मैदान पर वापसी करते हुए आईपीएल सत्र में 40.54 के औसत और 155.40 की स्ट्राइक-रेट से 446 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने 16 कैच भी लिए।**

पोंटिंग ने कहा, यह शानदार रहा है। पिछले साल आईपीएल के बीच में मैंने उनके साथ कुछ समय बिताया था। तब मुझे लगता था कि वह खेल भी पायेंगे या नहीं। वह मनोवैज्ञानिक तनाव के कारण शारीरिक रूप से भी तनाव में थे। उस समय वह चल भी नहीं पाते थे। पोंटिंग ने कहा, वह बैसाखी पर था और मुझे याद है कि मैंने उससे कहा था, अगले सत्र के बारे में तुम क्या सोचते हो उसने बस मेरी तरफ देखा और कहा, चिंता मत करो, मैं ठीक हो जाऊंगा। इसके बाद उसने अपनी बहुत अच्छी तरह से देखभाल की है। दिल्ली कैपिटल्स फ्रैंचाइज़ी ने उसकी देखभाल में बहुत अच्छा काम किया है। पैट्रिक फरहार्ट उसके फिजियो रहे हैं। उन्होंने भी उसके साथ बहुत अच्छा काम किया है।

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम में उनकी वापसी का कारण उनकी शानदार विकेटकीपिंग रही। पोंटिंग ने माना है कि उनके बारे में असली चिंता यह थी कि वह विकेटकीपिंग कैसे करेंगे। पोंटिंग ने कहा, किसी को भी उसकी बल्लेबाजी के बारे में वास्तविक चिंता नहीं थी, क्योंकि वह अच्छा है और बल्ले से गतिशील है पर उसकी विकेटकीपिंग को लेकर कुछ चिंताएं थीं। इस क्रिकेटर ने आईपीएल के लीग चरण में 16 विकेट लिए, जो इस सत्र में किसी भी विकेटकीपर द्वारा संयुक्त रूप से सबसे अधिक है। बल्लेबाजी के साथ ही विकेटकीपिंग में भी बेहतर प्रदर्शन के कारण ही उन्हें टी20 विश्व कप टीम में जगह मिली।

# निशानेबाजों ने शीर्ष राइफल कोच पर बंदूक से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाय, एनआरएआई ने किया खंडन

**नई दिल्ली ।**
कुछ निशानेबाजों के अभिभावकों ने एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कोच पर उनकी राइफल के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। कथित तौर पर प्रभावित एक निशानेबाज के अभिभावक ने नाम बाहर न आने की शर्त पर बताया कि कोच ने उनके बेटे की राइफल से छेड़छाड़ कर दी थी। इसके बाद उन्हें नए उपकरण खरीदने पड़े। हालांकि, उन्होंने कोच की पहचान बताने से भी इनकार कर दिया।

### निशानेबाज के पिता ने क्या कहा

निशानेबाज के पिता ने कहा- कोच ने मेरे बेटे की बंदूक को खराब कर दिया, इस कारण हमें नई बंदूक खरीदनी पड़ी। विश्व कप से एक दिन पहले निशानेबाज की अनुमति के बिना कोच बंदूक में इस तरह के बदलाव कैसे कर सकता है। यह पिछले साल भोपाल में आईएसएसएफ विश्व कप के दौरान हुआ था। यह कोच जब भी टीम के साथ विदेश जाता है तब ऐसा होता है। उन्होंने बताया कि कई निशानेबाज इस संबंध में एनआरएआई (भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ) को भी सूचित कर चुके हैं। हालांकि, एनआरएआई के महासचिव राजीव भाटिया ने इन आरोपों का खंडन किया और कहा कि उन्हें इस तरह की किसी घटना का पता नहीं है।

### एनआरएआई ने रिपोर्ट्स का किया खंडन

उन्होंने कहा, मुझे कोई पता नहीं है। किसी ने भी हमसे संपर्क नहीं किया। किसी ने भी हमारे पास शिकायत दर्ज नहीं की है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा हुआ होगा। अगर ऐसा हुआ था तो फिर निशानेबाजों को खुलकर सामने आना चाहिए था। उनका चयन नहीं होने पर ही इस तरह के आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं। भोपाल में विश्व कप पिछले साल मार्च में हुआ था और तब से काफी समय बीत चुका है।

एक अन्य निशानेबाज के पिता ने आरोप लगाया कि इस कोच का बंदूकों से छेड़छाड़ करने का पुराना रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने कहा, मेरा बेटा विश्व कप खेलने गया था और कोच ने जूरी (सदस्य) के साथ मिलकर बंदूक के साथ छेड़छाड़ की थी। कोच का बंदूकों के साथ छेड़छाड़ का पुराना रिकॉर्ड है।

### ओलंपिक में भाग लेने वाले निशानेबाज म्यूनिख विश्व कप में खेलेंगे, तैयारियों का लेंगे जायजा

**म्यूनिख ।** भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरआई) ने बताया कि ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी निशानेबाज म्यूनिख में होने वाले आगामी विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। इस टूर्नामेंट के जरिये खिलाड़ियों की तैयारियों की परीक्षा होगी। पेरिस ओलंपिक जुलाई में होना है, उससे पहले यह एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट होगा। कई निशानेबाजों ने एनआरआई से 31 मई से छह जून तक होने वाले विश्व कप (पिस्तौल और राइफल) से छूट देने का आग्रह किया था क्योंकि उन्हें अप्रैल और मई में नई दिल्ली और भोपाल में हुए कड़े ओलंपिक चयन ट्रायल्स के बाद थोड़ा विश्राम की जरूरत है। ओलंपिक चयन ट्रायल में भाग लेने वाले निशानेबाज और अधिकारियों ने महासंघ के पदाधिकारियों से मुलाकात की। इसमें एनआरआई ने निशानेबाजों को विश्व कप के महत्व के बारे में बताया। पेरिस ओलंपिक में अब केवल दो महीने का समय बचा है। एनआरएआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलिकेश सिंहदेव ने कहा- हमने निशानेबाजों से बात की और वे सभी विश्व कप में भाग लेने के लिए तैयार हैं। हमने उन्हें अपनी स्पर्धा चुनने और उसमें वे किस तरह से भाग लेना चाहते हैं, इसकी छूट दी है। अगर वे केवल फाइनल्स में खेलना चाहते हैं तो ऐसा कर सकते हैं। या फिर वे केवल रैंकिंग अंकों (आरपीओ) के लिए खेल सकते हैं।

## इस बारिश सेहत का कुछ ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम के तुरंत बाद बारिश का मौसम आना जैसे बंजर जमीं पर पानी की बूंद गिरने जैसा होता है। गर्मी के बाद बारिश सबको अजीब सा सुकून देता है। बारिश में लोग भीगना पसंद है। मगर ज्यादा तर बीमारियां बारिश के आने के बाद आती हैं। तो किस तरह से इस बारिश के मौसम में रखें अपने सेहत का ख्याल आपको बतातें हैं। देश में जहां कई जगहों पर बारिश शुरू हो चुकी है वहीं कई कोनो में लोग अभी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। तो इस तरह से सभी को मानसून एन्जॉय करने के साथ इसके साथ आने वाली बीमारियों का भी ख्याल रखना चाहिए। क्यों की मानसून जरूर ठंडक लाता है मगर साथ में वह अपने बहुत सारी बीमारियां भी लाता है।

**खानपान का रखें ध्यान:** बारिश के दिनों में बाहर का खाना सबको बहुत अच्छा लगता है मगर वहीं खाना पेट की बिमारियों को जन्म देता है। बारिश में गलत खाना खाने से पीलिया, मलेरिया, टायफाइड, पेट व आंतों संबंधी बीमारियां, खांसी, जुकाम, जोड़ों में दर्द, त्वचा में इंफेक?शन, बुखार और फ्लू जैसी सकती है। इस तरह से इस बारिश जो भी आप खाते है उसे अपनी सेहत के अनुसार खाएं।

## तुलसी और कड़ी पत्ते का प्राकृतिक क्लींजर

कड़ी पत्ते और तुलसी दोनों में एंटी-आक्सीडेंट होते हैं। जो आपकी त्वचा को इंफेक्शन और मुंहासों से बचाते हैं। साथ ही यह आपकी त्वचा को कोमल व नर्म बनाने के साथ पिग्मेंटशन (झांइयों) और झुरियों को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और मॉश्चराइजिंग गुण भी होते हैं जिसे त्वचा पर लगाने से त्वचा में निखार आने लगता है।

# रेड बर्थमार्क के कारण, निदान और इलाज

**बर्थमार्क्स** यानी जन्मजात निशान त्वचा पर मौजूद बदरंग निशान होते हैं। कई नवजात शिशुओं में लाल अथवा कुछ अन्य प्रकार के निशान होते हैं। आमतौर पर ये निशान जन्म के कुछ सप्ताहों के भीतर ही नजर आ जाते हैं। ये निशान त्वचा के करीब मौजूद रक्त वाहिनियों द्वारा बनते हैं। इन निशानों के बनने की बड़ी वजह त्वचा में पिग्मेंटशन के कारण रक्तवाहिनियों का अधिक निर्माण होता है।

### कारण

आमतौर पर इन निशानों का मुख्य कारण किसी को नहीं पता। और साथ ही इन निशानों को होने से रोकने के लिए ही कुछ किया जा सकता है। बर्थमार्क्स के कारकों के बारे में भले ही अधिक जानकारी न हो, लेकिन इतना तो साफ है कि वाहिकीय समस्याओं से होने वाले बर्थमार्क्स अनुवांशिक नहीं होते। जानकार मानते हैं कि इसके पीछे त्वचा कोशिकाओं को प्रभावित करने वाले स्थानिक कारण अधिक उत्तरदायी होते हैं।

### पोर्ट वाइन स्टेन

इन निशानों की मुख्य वजह रक्तवाहिनियों की चौड़ाई निर्धारित करने वाली प्रक्रिया में असंतुलन का होना है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में निरंतर प्रवाहित होने वाला रक्त लाल अथवा बैंगनी हो जाता है। पोर्ट वाइन स्टेन इसके अलावा स्ट्रग-वेबर-सिंड्रोम और क्लिपल ट्रेनायूने सिंड्रोम के कारण भी हो सकता है।

### निदान

रेड बर्थमार्क्स के निदान की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि आखिर ये निशान नजर कैसे आते हैं। डॉक्टर इनका इलाज करने से पहले इनकी अच्छी तरह जांच करते हैं। बर्थमार्क्स की गहरी जांच करने के लिए डॉक्टर बॉयोप्सी, सीटी स्कैन और एमआरआई भी करने की सलाह दे सकता है।

### इलाज

अधिकतर बर्थमार्क्स किसी प्रकार की परेशानी खड़ी नहीं करते और उन्हें किसी इलाज की जरूरत नहीं होती। हालांकि, कुछ रेड बर्थमार्क्स से परेशानी हो सकती है। कुछ निशान तो कैंसर का रूप भी ले सकते हैं। रेड बर्थमार्क्स बच्चे के थोड़ा बड़े होने के साथ ही गायब भी हो जाते हैं। बहुत कम निशान ही रक्तवाहिनियों के ट्यूमर में परिवर्तित हो सकते हैं। इन्हें हेमेन्गिओमस कहा जाता है। कुछ निशान ऐसे भी होते हैं, जो ठीक नहीं होते और स्थाई रूप से साथ रहते हैं।

हेमेन्गिओमस को इलाज करवाने की जरूरत तब पड़ती है, जब इनका असर आपके लुक पर पड़ता हो। इसके साथ ही अगर इससे आपको भावनात्मक तनाव अथवा दर्द होता हो, तो भी आपको इसका इलाज करवाना चाहिए। इतना ही नहीं अगर हेमेन्गिओमस के आकार, स्वरूप अथवा रंग में किसी प्रकार के बदलाव का आभास होने पर भी इलाज करवाया जाना चाहिए। हेमेन्गिओमस यदि बच्चे की आंख के करीब हो, तो उसका इलाज जरूर करवाना चाहिए, क्योंकि इसका असर उसके देखने की क्षमता पर पड़ सकता है।

बर्थमाक्स के आकार पर निर्भर करता है कि इसके इलाज में किस प्रकार की इलाज पद्धति को अपनाया जाए। इसके लिए लेजर ट्रीटमेंट से लेकर कॉस्मेटिक के अन्य तरीके भी आजमाए जा सकते हैं। इसके अलावा बर्थमार्क्स के निशान को छोटा करने क लिए दवाओं अथवा इंजेक्शन का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बहुत ही दुर्लभ मामलों में बर्थमार्क्स का संबंध किसी अन्य बीमारी से होता है। लेकिन, कुछ मामलों में देखा गया है कि लिवर, फेफड़े, पेट अथवा अंत्राशय की बीमारियों के फलस्वरूप भी बर्थमार्क्स हो सकते हैं। यदि ऐसी कोई समस्या नजर आए, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

# क्या 30 साल के बाद भी बढ़ सकती है लंबाई?

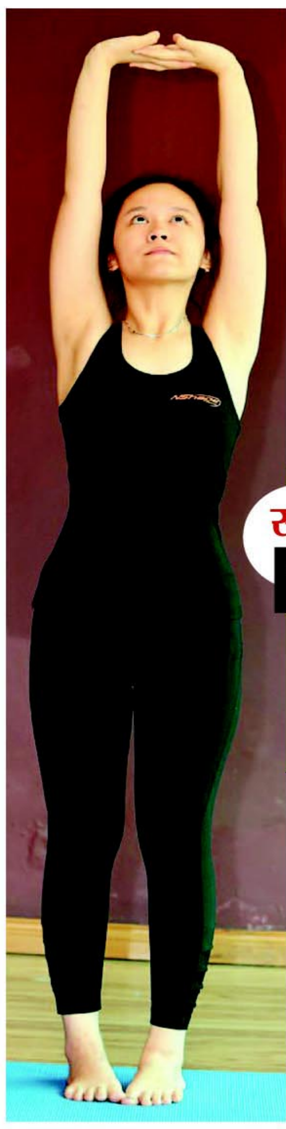

### टिप्स

- योग के सही मुद्रा एक योग्य योग प्रशिक्षक की मदद से सीखें।
- कई स्वास्थ्य केन्द्र, योग केंद्र और सामुदायिक कॉलेज योग शिक्षा प्रदान करते हैं।
- लंबाई बढ़ाने का दावा करने वाले प्रोडक्ट के बारे में पूरी जानकारी लें।
- ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि, सप्लीमेंट की मदद से किसी भी वयस्क की लंबाई को स्थायी रूप से बढ़ाया जा सकता है।

**एक** बार हड्डियां के बढ़ना रूकने के बाद, लंबाई को बढ़ाने की सीमा तय हो जाती है। फिर लंबाई को बढ़ना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्ट्रेचिंग की मदद से अपने पॉश्चर में सुधार कर अपनी लंबाई बढ़ा सकते हैं।

लड़कियों की लंबाई 11.5 वर्ष और लड़कों की लंबाई 13.5 वर्ष तक ही बढ़ती है। डॉक्टर के अनुसार, लड़कों को लड़कियों की तुलना में हड्डियों की ग्रोथ बंद होने से पहले लंबाई बढ़ाने का दो साल का लंबा समय मिलता है। लेकिन वयस्कों में लंबाई बढा़ने के लिए स्ट्रेच एक अच्छा आइडिया है, क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी में संकोचन को कम करता है। स्ट्रेचिंग से आपको पॉश्चर में सुधार करने और लंबाई की सीमा बढ़ाने में मदद मिलती हैं।

**स्टेप 1**

ताड़ासन को पर्वत योग मुद्रा भी कहते हैं। इस स्ट्रेच योग को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दरी बिछाकर सीधे खड़े हो जाएं। अपने दोनों पैर को आपस में मिलाकर और दोनों हथेलियों को अपने बगल में रखें फिर पूरे शरीर को स्थिर रखें और दोनों पैरों पर अपने शरीर का वजन सामान रखें। उसके बाद दोनों हथेलियों की अंगुलियों को मिलाकर सिर के ऊपर ले जाएं। हथेलियों सीधी रखें और सांस भरते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर खींचिए, जिससे आपके कंधों और चेस्ट में भी स्ट्रेच आएगा। इसके साथ ही पैरों की एड़ी को भी ऊपर उठाएं और पैरों की अंगुलियों पर शरीर का संतुलन बनाए रखिए। इस स्थिति में कुछ देर रहें। इस योगाभ्यास करते समय में पूरे शरीर में उपयुक्त रूप से स्ट्रेच महसूस होता है। योग जर्नल वेबसाइट के अनुसार यह मुद्रा आपको रीढ़ की हड्डी को सीधा करने में मदद करती है। सीधा खड़ा होना, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव का विरोध कर आपकी लंबाई को 30 की उम्र के बाद भी बढ़ता है।

**स्टेप 4**

क्लॉस या होम एक्सरसाइज वीडियो के माध्यम से योग या पिलेट्स करें, जिससे आपके पूरे शरीर का स्ट्रेच हो सके। योग या पिलेट्स को नियमित करने अच्छी मुद्रा को एक आदत बनाने में मदद मिलती है और मसल्स को मजबूती मिलती है जिससे आपकी रीढ़ और अंगों को उचित एलाइनमेंट मिलती है। नियमित रूप से स्ट्रेचिंग रीढ़ की हड्डी पर संकोचन को कम करने में मदद करता है जिससे आप 30 साल की उम्र के बाद भी लंबाई बढ़ा सकते है। हालांकि इस बात के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

**स्टेप 3**

शॉवर लेने के बाद भी नियमित रूप से स्ट्रेच करें क्योंकि इस समय आपकी मसल्स गर्म होती है। पांच मिनट एक ही जगह चलने के बाद धीरे-धीरे अपने दोनों हाथों को हिलाएं और पैरों को ढीला छोड़कर तनाव को रिलीज करें। फिर एक समय में एक हाथ को ऊपर की तरफ स्ट्रेच करें। अब अपने पैर की उंगलियों से लेकर हिप्स और कंधे तक बॉडी की एक साइड को स्ट्रेच करें। फिर दूसरी तरफ से ऐसा ही करें और तीन से पांच बार दोहराएं।

**स्टेप 2**

भुजंगासान को कोबारा पोज भी कहते हैं। इस आसान में चेहरे पर स्ट्रेच महसूस करते हुए अपनी उंगालियों को कंधों की तरफ और कोहनी को अपनी साइट में रखते हैं। साथ ही अपने शरीर के निचले हिस्से पर दबाव बनाए रखते हैं। अपनी बाहों को सीधा रखते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की तरफ और निचले हिस्से को जमीन पर रखते हैं। ऊपरी हिस्से को तब तक ही उठाते हैं, जितना की आप आराम से उठा सकें। अपनी रीढ़ में स्ट्रेच महसूस करें। सांस छोड़ते और 15 की गिनती करते हुए धीरे-धीरे अपने ऊपरी हिस्से को नीचे लाएं। इससे आपके चेस्ट और पेट की मसल्स में स्ट्रेच होगा। इसको नियमित करने से लंबाई बढाई जा सकती है। इस मुद्रा को नियमित रूप से करने लंबाई बढ़ाने में मदद मिलती है क्योंकि इससे आप बैठते, उठते और खड़े होते समय रीढ़ की हड्डी लंबा बनाये रखने में मदद मिलती है।

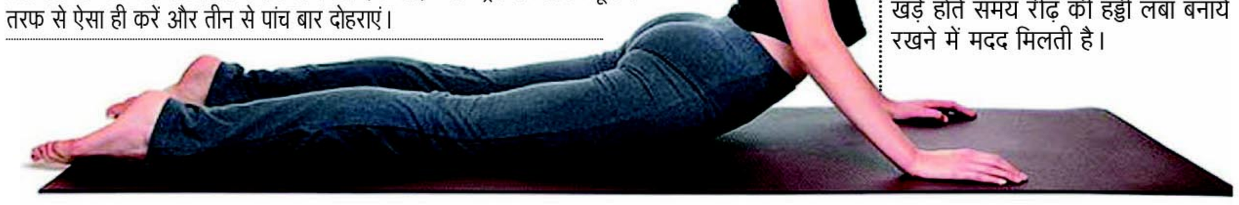

# स्किन के लिए वरदान है एक कप चाय

**ज्यादातर** हम सभी के दिन की शुरूआत एक कप चाय से होती है। चाय से थकान दूर होती है और ताजगी आ जाती है। दिन भर की थकान को दूर करने के लिए भी एक कप चाय मिल जाए तो क्या ही बात। लेकिन अक्सर चाय और कॉफी को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। कहा जाता है ज्यादा चाय पीने से काले हो जाते हैं, लेकिन ये सही नहीं है। चाय स्वास्थ्यवर्धक भी होती है। ये आपको ताजगी देने के साथ-साथ खूबसूरती बढ़ाने में भी मदद करती है, क्योंकि इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं।

### स्किन बनाए हेल्दी

हेल्दी स्किन यानी नम त्वचा। शरीर में नमी बनाए रखने के लिए पर्याप्त लिक्विड लेना जरूरी है। इसमें सभी तरह की चाय शामिल हो सकती है, क्योंकि गर्मी के दिनों में शरीर को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। लिक्विड लेने से स्किन फ्रेश रहती है और पानी की कमी नहीं होती है।

### ग्रीन टी

अगर आपकी स्किन रूखी और बेजान हो गई है तो ठंडी ग्रीन टी अपने चेहरे पर छिड़कें। ये एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर का काम करती है। इससे आपकी स्किन तरोताजा हो जाएगी और चेहरा साफ व ग्लोइंग लगेगा।

### डार्क सर्कल

दरअसल चाय में कैफीन होता है, जो आपके ब्लड वेसल को सिकुड़ने में मदद करता है। नींद पूरी न होने या अन्य कारणों से अगर आप की आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स पड़ गए हैं या सूजन आ गई है तो टी बैग इसे सही करने में आपकी मदद करेगा। उसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। ठंडा होने पर उसे आंखों के नीचे रखें। इससे आंखों की थकान दूर होती है।

### पैरों की बदबू से छुटकारा

पैरों में बदबू आने पर अगर आप डीओ का इस्तेमाल करती है तो ऐसा न करें। इसके लिए आप उबली हुई ब्लैक टी के मिश्रण में अपने पैर डुबाएं। ये एंटी बैक्टीरियल होती है, जो आपके पैरों में आ रहे पसीने को रोकती है। इससे पैरों में बदबू नहीं आती है।

### बाल बनाए घने

ब्लैक टी बाल गिरने की समस्या से निजात दिलाती है। अगर आप अपने बालों को घना करना चाहती हैं तो उन्हें ब्लैक टी और ग्रीन टी से धोएं। वहीं ग्रीन टी बालों को बढ़ने में मदद करती है। ठंडी की हुई चाय को बालों पर डालें और उसे 10 मिनट तक रखें। इसके बाद अपने बालों को शैंपू और कंडीशनर से धो लें।

## तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं बल्कि एक जरूरत

# ...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

*आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।*

### ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है। इतना ही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में तो यह कौशल और भी जरूरी है।

### बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम...

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

# ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

*आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।*

### डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्नीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

### बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटें में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

## रेसिपी

### मैंगो केक

### आइए बनाएं कुकर में मैंगो केक

अब आम का सीजन है तो मैंगो केक खाने का मन तो करेगा ही। पर लाइट नहीं आ रही ओवन कैसे चलेगा। ओफ्हो परेशानी क्या है हम बताते हैं कैसे बनाएं प्रेशर कुकर में मैंगो केक।

### सामग्री

एक बड़ा प्रेशर कूकर जिसमें बेकिंग पैन समा जाए, एक बेकिंग पैन, 1 बटर पेपर, मैदा 1 कप, आम की प्यूरी आधा कप सा फिर एक टेबल स्पून मैंगो सीरप, कन्डेन्स्ड मिल्क 1/2 कप, पाउडर चीनी आधा कप, दूध आधा कप, मक्खन 1/3 कप, काजू कटे हुए 2 टेबल स्पून, किशमिश 2 टेबल स्पून, बेकिंग पाउडर1छोटी चम्मच, बेकिंग सोडा 1/4 छोटी चम्मच, आप आम को काट कर उसका पल्प निकाल कर और उसे फैंट कर भी प्यूरी बना सकते हैं।

### विधि

मैदा में बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा डालकर मिक्स कर लीजिए और 2 बार अच्छी तरह छान लीजिए। दूसरे बड़े प्याले में मक्खन, आम का पल्प/प्यूरी और कन्डेन्स्ड मिल्क डालकर अच्छी तरह फैट कर मिक्स कर दीजिए, पाउडर चीनी मिलाकर और अच्छी तरह मिक्स कर लीजिए। काजू और किशमिश के डंठल हटाकर कपड़े से पोंछ लीजिए। जिस कन्टेनर में केक बेक उसमें बटर या घी लगाकर चिकना कर लीजिए। बटर पेपर बर्तन के तले के आकार का काट लीजिए और तले में पेपर डालकर उसके ऊपर भी थोड़ा बटर डालकर चिकना कर लीजिए। आम का पल्प, कन्डेन्स्ड मिल्क में मैदा और बेकिंग पाउडर मिश्रण को डालकर अच्छी तरह गुठलियां खत्म होने तक मिलाइए। मिश्रण में दूध भी अच्छी तरह मिला दीजिए। काजू और किशमिश भी मिला दीजिए। ग्रीज किया हुआ केक कन्टेनर लीजिए। इसमें बर्तन में थोड़ा घी डालिए। फिर थोड़ी सी मैदा डालकर बर्तन को इस तरह हिलाइए कि उसके ऊपर पतली सी मैदा की परत बन जाए। उसमें मिश्रण डालिए और खटखटा कर एक सार कर लीजिए। अब क्योंकि कुकर में केक बनाने के लिए केक कन्टेनर का तला कुकर के तले से नहीं लगना चाहिए नहीं तो केक नीचे से जल सकता है। इसके लिए कुकर के अन्दर तले में एक कटोरी नमक फैला देते है। नमक गरम होकर ओवन की तरह तापमान भी बनाए रखता है। कुकर के अन्दर एक कटोरी नमक डालने के बाद इसे तेज आग पर दो मिनट के लिए रख दीजिए और केक कन्टेनर को पहले से गरम किए हुए कुकर में रखिए। कुकर के ऊपर ढक्कन लगाकर बन्द कर दीजिए। ढक्कन पर सीटी मत लगाइए। केक को बिल्कुल धीमी आग पर 40-50 मिनट तक पकाइए। इसके बाद केक को चैक कर लीजिए। केक के अन्दर चाकू डालने से मिश्रण चाकू पर लग कर आ रहा है तो केक को और बेक कीजिए। कुछ देर बाद दोबारा टैस्ट कीजिए केक में चाकू गड़ा कर देखिए यदि चाकू से केक नहीं चिपकता तो आपका केक बन गया है। कुकर को केक कन्टेनर सहित अच्छी तरह ठंडा होने दीजिए। ठंडा होने पर केक के किनारों से चाकू घुमाकर केक को बर्तन के किनारों से अलग कर लीजिए अब हल्के से ठोक कर केक को प्लेट में निकाल लीजिए। लीजिए आपका प्रेशर कूकर मैंगो केक तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**